शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 25 | गुवाहाटी | गुरुवार, 22 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है : उपराष्ट्रपति पेज 2
पूसीरे की रेसुब ने नियमित तलाशी के दौरान 225 अवैध प्रवासियों को पकड़ा पेज 3
चंद किसान नेता अपना पेट भरने के लिए चला रहे यह प्रोपेगेंडा : बिट्टू पेज 5
पेरिस पैरालिंपिक में खेलों में भारत को इस बार 25 से 30 पदक मिलेंगे : सांगवान पेज 7

सीएम ने राज्य में अल्फा का प्रभाव स्वीकारा

परेश बरुआ से शांति वार्ता के लिए किया आग्रह

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 21 अगस्त को कहा कि राज्य में अल्फा (स्वा.) का प्रभाव बहुत अधिक है, हालांकि पिछले कुछ वर्षों में इसमें काफी कमी आई है। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि जब म्यांमार शिविर में अभी भी करीब 400 कैडर हैं, तो हम इसके प्रभाव से इनकार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमने कभी यह दावा नहीं किया कि अल्फा (स्वा.) अनुपस्थित है और हम लगातार संगठन के नेतृत्व से बातचीत में शामिल होने का आग्रह करते हैं। शर्मा ने स्पष्ट किया कि न तो केंद्रीय गृह मंत्री और न ही मुख्यमंत्री ने कभी यह सुझाव दिया है कि राज्य में अल्फा (स्वा.) की कोई उपस्थिति नहीं है, हालांकि इसका प्रभाव समय के साथ निश्चित रूप से कम हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने कभी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा कि अल्फा (स्वा.) का कोई प्रभाव या प्रभाव नहीं है। बातचीत की प्रक्रिया जारी है और मैं अल्फा (स्वा.) प्रमुख परेश बरुआ से बात करता हूं। हालांकि, चुनावों के बाद से मैंने उनसे बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि मैं बरुआ को फोन नहीं करता लेकिन जब भी वह फोन करता है, मैं फोन उठाता हूं और उससे बात करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वार्ता प्रक्रिया में बाधाएं हैं क्योंकि अल्फा (स्वा.) प्रमुख संप्रभुता के बारे में बोलते हैं जिस पर बातचीत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि चर्चाएं अक्सर होती रहती हैं और हमें उम्मीद है कि एक दिन कोई न कोई सफलता अवश्य मिलेगी। भविष्य की वार्ता के समय के बारे में शर्मा ने कहा कि यह बरुआ पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि अगर मुझे बताया जाता है कि वह अब बातचीत के लिए तैयार हैं, तो मैं सबकुछ छोड़कर बातचीत के लिए बैठ जाऊंगा। उल्फा के हालिया ईमेल का हवाला देते हुए, जिसमें दावा किया गया था कि संगठन ने स्वतंत्रता दिवस पर कई स्थानों पर 24 बम रखे थे, शर्मा ने कहा कि बम नहीं फटे, जिसका अर्थ है कि पुलिस चुप नहीं बैठी है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से 10 बम जैसे पदार्थ बरामद किए थे और इस संबंध में 10 मामले दर्ज किए गए थे। इनमें से दो मामले एनआईए को सौंपे जाएंगे, जबकि शेष मामले राज्य पुलिस द्वारा संभाले जाएंगे। शर्मा ने 10 मई, 2021 को मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद अल्फा (स्वा.) से शांति वार्ता के लिए आगे आने और राज्य में चार दशक से अधिक पुरानी उग्रवाद समस्या को हल करने की अपील की थी।

असम विस का शरदकालीन सत्र आज से

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा का शरदकालीन सत्र कल से यानी गुरुवार से शुरू होगा। यह सत्र 22 से शुरू होकर 30 अगस्त तक चलेगा। एजेंडे के अनुसार, गुरुवार, 22 अगस्त को पहले दिन की कार्यवाही में मृत्यु संदर्भ, प्रश्न, 2024 के शरद ऋतु सत्र के लिए एजेंडा तय करने वाली कार्रवाई सलाहकार समिति की रिपोर्ट के बारे में स्पीकर की घोषणा, असम विधानसभा की कार्यवाही और संचालन नियमावली के नियम 9(1) के अंतर्गत सदन के संचालन के लिए मनोनीत अध्यक्षों -शेष पृष्ठ दो पर

यूएसटीएम से पासआउट को सरकारी नौकरी नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मेघालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूएसटीएम) से स्नातक करने वाले छात्रों को जल्द ही असम में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विश्वविद्यालय के साथ चल रहे विवाद के बीच इस संभावना का संकेत दिया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यूएसटीएम की मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की योजना गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) को कमजोर कर सकती है। शर्मा ने संकेत दिया कि यूएसटीएम स्नातकों को असम में सरकारी पदों पर नियुक्त होने से रोकने के तरीके खोजने के लिए चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं कि यूएसटीएम के छात्र असम में नौकरियों के लिए पात्र न हों, क्योंकि उनके प्रमाण पत्र दूसरे राज्य के हैं। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इस स्थिति से असम के विश्वविद्यालयों के छात्रों को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि गौहाटी और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालयों के छात्र प्रभावित हो रहे हैं। मैंने विधि विभाग को निर्देश दिया है कि वे यूएसटीएम स्नातकों के लिए अतिरिक्त परीक्षा देने के विकल्पों की जांच करें, यदि वे असम में नौकरियों के लिए विचार किए जाना चाहते हैं। शर्मा ने यह भी बताया कि यह आवश्यकता अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में बाढ़, सीएम केंद्रीय गृहमंत्री से की बात

अगरतला। त्रिपुरा में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। राज्य की मौजूदा हालात को देखते हुए मुख्यमंत्री माणिक साहा काफी चिंतित हैं। उन्होंने बाढ़ से प्रभावित इलाकों का निरीक्षण भी किया। सीएम साहा ने बताया कि पिछले दो दिनों राज्य के विभिन्न जिलों में भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने त्रिपुरा के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया। सीएम माणिक साहा ने कहा कि केंद्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने गैर-असमिया भूमि स्वामित्व प्रतिबंध की मांग पर सावधानी बरतने का आग्रह किया

गुवाहाटी। ऊपरी असम के पांच जिलों में गैर असमिया लोगों द्वारा स्थानीय लोगों की जमीन खरीदने पर रोक लगाने के लिए कानून बनाने की मांग, जिसका समर्थन शिवसागर में 30 संगठनों द्वारा किया जा रहा है, इस पर असम विधानसभा के कल से शुरू हो रहे शरदकालीन सत्र में प्रगति होने की संभावना नहीं है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मांग को स्वीकार करते हुए ऐसे कानून के संभावित दुष्परिणामों के प्रति आगाह किया। बुधवार को भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने के मौके पर प्रेस से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि अगर हम गैर-असमिया लोगों को जमीन नहीं देंगे, तो कोई यह तर्क दे सकता है कि असमिया लोगों को राज्य से बाहर जाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि असम में अन्य समुदायों की तुलना में हमारे बाहर ज्यादा असमिया लोग हैं। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि इस तरह के कानून -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अप्रैल 2025 से बिजली दरों में 1 रुपए प्रति यूनिट की कटौती करेगी सरकार : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को गुवाहाटी में घोषणा की कि राज्य में बिजली के बिल में कमी आएगी क्योंकि सरकार 1 अप्रैल, 2025 से बिजली की कीमतों में 1 रुपए की कमी करेगी। यह निर्णय बिजली की बढ़ती कीमतों और राज्य भर में बड़े पैमाने पर स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर बढ़ते जन असंतोष के बाद लिया गया है। वर्तमान में बिजली की प्रति यूनिट कीमत 5.90 रुपए है। मुख्यमंत्री शर्मा ने बढ़ते ऊर्जा बिलों से उत्पन्न वित्तीय बोझ के बारे में मुखर रहे निवासियों की चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 1 अप्रैल से, बोहाग बिहू से पहले, हम बिजली की कीमत में 1 रुपए की कमी करने जा रहे हैं, और यह कदम केवल असम में उठाया जाएगा। हाल के हफ्तों में असम के कई जिलों में बिजली के बढ़ते बिलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए हैं। 21 अगस्त को, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) और ऑल तिवा स्टूडेंट्स यूनियन (आट्सू) के नेतृत्व में राहा के निवासियों ने असम राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

तकनीक का गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है : राष्ट्रपति

फरीदाबाद/नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि तकनीक का इस्तेमाल उचित और सतत विकास तथा जनहित के लिए किया जाना चाहिए। इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने हरियाणा के फरीदाबाद में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 5वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आज तकनीक के विकास के कारण प्रगति के कई रास्ते खुल गए हैं। उदाहरण के लिए दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की पहुंच ने ऑनलाइन रोजगार के कई अवसर पैदा किए हैं। लेकिन हमें यह याद रखना चाहिए कि तकनीक का इस्तेमाल उचित और सतत विकास तथा जनहित के लिए किया जाना चाहिए। इसका गलत इस्तेमाल विनाशकारी हो सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि आज पूरी दुनिया चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में है। भारत भी इस क्रांति की चुनौतियों का सामना करने और इसके अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होगी। राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि इस विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में कई औद्योगिक और शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते किए हैं। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए इस विश्वविद्यालय के परिसर में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन सभी प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। राष्ट्रपति ने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

किसी भी कार्य में पल भर का भी विलंब न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

ईरान में पाकिस्तानी बस पलटी, 35 की मौत

तेहरान (हि.स.)। ईरान के यज्द प्रांत में मंगलवार रात पाकिस्तान के शिया तीर्थयात्रियों की बस पलट जाने से कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 18 अन्य लोग घायल भी हुए हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने स्थानीय आपातकालीन अधिकारी मोहम्मद अली मालेकजादेह के हवाले से यह जानकारी दी। मालेकजादेह -शेष पृष्ठ दो पर

अनकापल्ली के केमिकल फैक्ट्री में हुआ ब्लास्ट, 20 घायल

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले की एक केमिकल फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हो गया, जिससे कम से कम 20 लोगों के घायल होने की खबर है। जानकारी के अनुसार घटना अच्युटापुरम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री की है। बुधवार को फैक्ट्री के एक रिएक्टर में अचानक विस्फोट होने से कई लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी ने -शेष पृष्ठ दो पर

चंपई सोरेन ने नई पार्टी बनाने के दिए संकेत

रांची। भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच झारखंड के पूर्व सीएम और जेएमएम नेता चंपई सोरेन ने आज बड़े संकेत दिए हैं। चंपई सोरेन ने साफ तौर पर कहा कि मैं राजनीति से संन्यास नहीं लूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैंने जो नया अध्याय शुरू किया है, उसमें नए संगठन को मजबूत करूंगा और अगर रास्ते में कोई अच्छा दोस्त मिला तो उस दोस्ती को आगे बढ़ाते हुए जनता और राज्य की सेवा करूंगा। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते में सब कुछ साफ हो जाएगा। इससे पहले चंपई सोरेन ने भाजपा में शामिल होने की खबरों को खारिज किया था। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

ट्राई का नाम लेकर धोखाधड़ी करने वाले कॉल से सावधान रहने की चेतावनी जारी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नागरिकों के लिए एक सलाह जारी की है कि वे ऐसी फर्जी कॉलों पर ध्यान न दें, जिसमें कॉल करने वाले उनके मोबाइल नंबरों को जल्द ही ब्लॉक करने की धमकी देते हैं। ट्राई ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि दूरसंचार नियामक के संज्ञान में आया है कि ट्राई से होने का दावा करते हुए नागरिकों को बहुत से प्री-रिकॉर्डेड कॉल किए जा रहे हैं। इन कॉल के जरिए नागरिकों को धमकाया जाता है कि उनके नंबर जल्द ही ब्लॉक कर दिए जाएंगे, उनसे कुछ व्यक्तिगत जानकारी देने के लिए कहा जाता है। नियामक ने कहा कि ट्राई संदेशों या अन्य माध्यमों से मोबाइल नंबर डिस्कनेक्शन करने के बारे में ग्राहकों से संचार शुरू नहीं करता है। प्राधिकरण ने कहा कि ऐसे उद्देश्यों के लिए ग्राहकों से संपर्क करने के लिए किसी भी तीसरे पक्ष की एजेंसी को अधिकृत नहीं किया है। इसलिए ट्राई से होने का दावा करने वाले और मोबाइल नंबर डिस्कनेक्शन की धमकी देने वाले किसी भी प्रकार के -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका में 90 फीट की हनुमान प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनियन का अनावरण

ह्यूस्टन। अमेरिका के ह्यूस्टन में भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में 90 फीट ऊंची हनुमान प्रतिमा का अनावरण किया गया। यह प्रतिमा संयुक्त राज्य अमेरिका की तीसरी सबसे ऊंची प्रतिमा है, जिसे स्टेच्यू ऑफ यूनियन नाम दिया गया है। यह प्रतिमा राम और सीता के पुनर्मिलन में हनुमान जी की भूमिका को याद करती है। टेक्सास के शुगर लैंड में अष्टलक्ष्मी मंदिर में स्थापित इस मूर्ति का अनावरण कर श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्न जीयर स्वामी ने एकता का संदेश दिया। भाग्यनगरम में भगवान राम की 216 फीट की प्रतिमा का भी अनावरण भी स्वामी जी ने ही किया था। कार्यक्रम में मौजूद माय -शेष पृष्ठ दो पर

मौजूदा 151 सांसदों-विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले : एडीआर रिपोर्ट

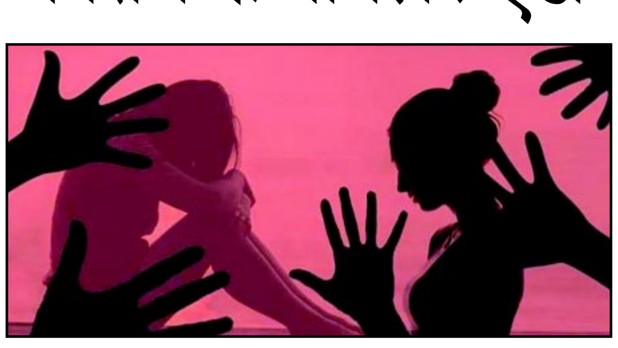

नई दिल्ली। देश में 151 मौजूदा सांसदों और विधायकों ने अपने चुनावी हलफनामों में महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों की जानकारी दी है। इनमें पश्चिम बंगाल के सांसदों और विधायकों की संख्या सबसे अधिक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एडीआर ने 2019 और 2024 के बीच चुनावों के दौरान निर्वाचन आयोग को सौंपे गए मौजूदा सांसदों और विधायकों के 4,809 हलफनामों में से 4,693 की जांच की। जिसके बाद महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामलों का सामना कर रहे 16 सांसदों और 135 विधायकों को चिह्नित किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे 25 सांसदों और विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल शीर्ष पर है, जिसके बाद आंध्र प्रदेश में 21 और ओडिशा में 17 सांसद-विधायक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल -शेष पृष्ठ दो पर

लद्दाख से सटे एलएसी के पास चीन ने बनाई छह नई हेलीस्ट्रिप

नई दिल्ली। एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर भारत के साथ शांति से मुखर चीन अपनी नई साजिश में लगा हुआ है। बुधवार को सैटेलाइट तस्वीरों के जरिए खुलासा हुआ कि चीन ने लद्दाख से सटी एलएसी पर 6 नई हेलीस्ट्रिप बनाई हैं। लद्दाख के डेमचोक से इन हेलीस्ट्रिप की दूरी महज 160 किलोमीटर है। भारत और चीन के बीच कई दौर की बैठकों के बाद भी साल 2020 में गलवान घाटी विवाद को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई है। साल 2020 में हुए विवाद में दोनों पक्षों के कई सैनिकों की जान चली गई। ऐसे में एक बार फिर चीन की यह हरकत भारत के साथ उसके रिश्तों में तनाव पैदा कर सकती है। चीन द्वारा बनाई गई यह हेलीस्ट्रिप पश्चिमी तिब्बत में मौजूद है। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ओर से एलएसी पर 6 नई हेलीस्ट्रिप बनाई गई हैं। यह हेलीस्ट्रिप एलएसी के पास गयायी नाम की जगह पर बनाई गई है। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि यहां अभी भी निर्माण कार्य जारी है। हेलीस्ट्रिप का निर्माण इसी साल अप्रैल महीने में शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I, Dwipshikha Ray, No : 6470055A, D/O : Keshab Chandra Roy, residing at Vill + Po : Adlaguri, PS : Manikpur, Dist : Bongaigaon, Pin-783392 hereby declare that my correct name is Dwipshikha Ray and my date of birth is 12/11/1999 as per school certificates. However, the name recorded as Deep Sikha Roy and date of birth as 15/07/1999 in the service records of my father which is incorrect. I request that my correct name and date of birth, i.e., Dwipshikha Ray and 12/11/1999, be used for all future purposes and that this change be reflected in the service records of my father. This declaration is affirmed by affidavit dated 12/08/2024 before the Notary at Bijni. (ASSAM)

भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को ग्लोबल साउथ की प्रगति में भारत के समावेशी, बहुपक्षीय दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत का उदय वैश्विक स्थिरता और शांति के लिए शुभ संकेत है। उपराष्ट्रपति ने *एक भविष्य का निर्माण* विषय पर 19वें सीआईआई भारत-अफ्रीका व्यापार सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सभी की भलाई के लिए एक साझा भविष्य बनाने की दिशा में प्रयासों को समन्वित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक भविष्य का निर्माण मानवता की स्थिरता के लिए आवश्यक है और इस चुनौती को अब और टाला नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन को मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी देशों से सामूहिक रूप से इस चुनौती से निपटने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। जन भागीदारी और प्राकृतिक संसाधनों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने आगाह किया कि हमारे पास रहने के लिए कोई दूसरा ग्रह नहीं है। भारत और अफ्रीका के बीच गहरे संबंधों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होंने कहा कि एक उभरता हुआ अफ्रीका और उभरता हुआ भारत स्वच्छ प्रौद्योगिकी, जलवायु, कृषि, समुद्री सुरक्षा, संपर्क और नीली अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में दक्षिण सहयोग को मजबूत गति दे सकता है। 2023 में भारत की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ को जी-20 के स्थायी सदस्य के रूप में शामिल किए जाने को गर्व की बात बताते हुए उपराष्ट्रपति ने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन में अफ्रीकी देशों की भागीदारी की सराहना की। चीता देकर देश की जैव-विविधता को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए अफ्रीका के प्रति भारत की कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस विकास ने राष्ट्र को उत्साहित किया और भारत व अफ्रीका के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव स्थापित किया।

भारत सबूत दें, हम नाइक पर जरूर कार्रवाई करेंगे : पीएम इब्राहिम

कुआलालामपुर। मलेशियाई प्रधान मंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा है कि वह विवादास्पद इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण के अनुरोध के संबंध में भारत से किसी भी सबूत के लिए तैयार हैं। एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में अनवर इब्राहिम ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि नाइक ने मलेशिया में भारत के खिलाफ कुछ भी विवादास्पद नहीं कहा है। जब तक जाकिर नाइक समस्याएं पैदा नहीं करता या सुरक्षा को खतरा नहीं पहुंचाता, हम इस मामले को शांत रहने देंगे। लेकिन हम कानून के तहत उसे प्रत्यर्पित करने के लिए भारत द्वारा दिए गए किसी भी सबूत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अगर सबूत मिलते हैं तो कार्रवाई जरूर करेंगे। मलेशियाई पीएम ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुलाकात के दौरान जाकिर नाइक के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठाया था। जाकिर नाइक, जिनका जन्म मुंबई में हुआ था, नफरत फैलाने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के बीच 2016 में भारत से भाग गए थे। इस्लामिक उपदेशक को पिछली महाथिर मोहम्मद सरकार द्वारा मलेशिया में स्थायी निवास की अनुमति दी गई थी, जिससे भारत को काफी निराशा हुई थी। नाइक को कई बार अनवर इब्राहिम के साथ देखा गया है। ऐसे में अनवर इब्राहिम के इस दौरे पर जाकिर नाइक के वापसी की मांग उठने लगी है। भारत और मलयेशिया के संबंध खासे उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। जाकिर नाइक को लेकर दोनों देशों के रिश्तों में खटास आई।

गुजरात में टोना-टोटका करने और कराने वालों की खैर नहीं, नहीं मिलेगी जमानत

गांधीनगर (हि.स.)। गुजरात विधानसभा के तीन दिवसीय मानसून सत्र में बुधवार को अंधविश्वास विरोधी बिल सर्वानुमति से पारित हो गया। इसके तहत अब राज्य में टोना-टोटका (अंधविश्वास) करने और कराने वाले को सजा दी जाएगी। गुजरात से पहले महाराष्ट्र, कर्नाटक, ओडिशा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और असम में अंधविश्वास निर्मूलन कानून लागू किया गया है। इस तरह गुजरात ऐसा कानून बनाने वाला देश का 7वां राज्य है। अंधविश्वास विरोधी कानून के प्रावधान के अनुसार कोई व्यक्ति खुद या किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से कानून को भंग करते हुए मानव बलि या दूसरी अमानुषी, अनिष्ट या अघोरी प्रथा, काला जादू करता है या किसी से करवाता है, या इस तरह का विज्ञापन देता है, व्यवसाय करता है, प्रचार करता है तो यह कानूनन जुर्म माना जाएगा। आरोप सिद्ध होने पर कम से कम 6 महीना और अधिकतम 7 साल की सजा दी जाएगी। इसके साथ कम से कम 5 हजार और अधिक से अधिक 50 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला जा सकता है। इस तरह का अपराध गैर जमानती माना जाएगा। इससे पूर्व मानसून सत्र के पहले दिन गुजरात विधानसभा में गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने मानव बलि, अमानुषी, अनिष्ट, अघोरीप्रथा, काला जादू रोकने और इसके निर्मूलन करने संबंधी विधेयक, 2024 पेश किया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि काला जादू के तहत चलने वाली प्रवृत्तियों को रोकने के लिए किसी तरह का विशेष कानून नहीं है। वर्ष 2023 की संहिता के अनुसार अपराध दर्ज करने का काम किया जा रहा है। भारत के अलावा पश्चिम देशों में भी इस तरह का काला जादू की प्रथा है लेकिन उन देशों में भी कानून के जरिए इन पर अंकुश लगाया गया है। संघवी ने कहा कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी इस प्रकार की घटना ध्यान में आ रही है, जिसे रोकना बहुत जरूरी है। नए कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आस्था और मान्यताओं को ठेस नहीं पहुंचे, इसका खास ध्यान रखा गया है। अंधविश्वास को लेकर अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति और अन्य एक आवेदक ने एडवोकेट हर्ष रावल के जरिए गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जज प्रणव त्रिवेदी ने सुनवाई कर राज्य सरकार को कहा कि राज्य एक वेलफेयर स्टेट है, अंधविश्वास को रोकना राज्य की जिम्मेदारी है।

पाकिस्तान : ईश निंदा पर फैसले से नाराज कट्टरपंथियों का एससी पर धावा

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी कर दिया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी यह भी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को पलट दे। अखबार ने कहा है कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है। पाकिस्तान के जियो टीवी के मुताबिक इस विवाद की शुरुआत इसी साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को लाक जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

GENERAL SURGEON

DR.R.VENKATASUBRAMANIAN MS.,DNB,MNAMS,MRCS, FNB(laparoscopicSurgery)

Will be available only for consultation at **Guwahati**

ON 31st August'2024

Patients suffering from Jaundice,Ulcers,Burning Sensation in the stomach, Liver Problem, Gallbladder Stone, Blood vomitting, Blood in motion & requring surgery/ Laproscopic Surgery may register their names in advance.

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
ORTHOPAEDIC SURGEON

DR.A.NAVALADI SHANKAR MBBS,MNAMS D.ORTHO,DNB(Ortho Surgery) FAOI (Germany)

Will be available only for consultation at **GUWAHATI**

on **1st September'2024**

Patients suffering from hip, knee, spine joint problems and need hip, knee replacement surgery can register their names in advance at:

APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

एम्स के निदेशक ने डॉक्टरों से काम पर वापस आने की अपील की

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक ने कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर हड़ताल कर रहे डॉक्टरों से काम पर वापस लौटने की अपील की है। इसके साथ चिकित्सकों की चिंताओं के निवारण के लिए विशेष समिति का गठन किया है। निदेशक ने मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी डॉक्टरों से काम पर वापस आने की अपील की है। वहीं, रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने अपनी मांगों की पूर्ति तक हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है। एम्स, नई दिल्ली के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने इस मामले में कहा कि वो मरीजों की देखभाल के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए बुधवार को जंतर-मंतर से ओपीडी सेवाएं देते रहे और प्रदर्शन करते रहे। एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि आरजी कर एमसीएंडएच और उससे जुड़े मुद्दों पर संज्ञान और हाल के फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। हम अपने स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रभावित करने वाले ज्वलंत मुद्दों पर कोर्ट के ध्यान की सराहना करते हैं। जंतर मंतर पर बुधवार को आरएमएल, सफदरजंग अस्पताल, एम्स और लेडी हार्डिंग, जीबी पंत अस्पताल के डॉक्टर्स धरना प्रदर्शन करने पहुंचे।

भाजपा ने 2019 में किए सभी वादों को पूरा किया : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि भाजपा ने पिछले चुनाव के दौरान प्रदेश की जनता के साथ किए गए सभी वादों को पूरा किया गया है। इस चुनाव में भी वही वादे किए जाएंगे जिन्हें पूरा किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री बुधवार को चंडीगढ़ से प्रदेशव्यापी संकल्प पत्र संकलन अभियान शुरू करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पंचकूला स्थित भाजपा मुख्यालय से एक मोबाइल वैन को रवाना किया। इस तरह की वैन प्रदेश के सभी जिलों में चलाई जाएंगी जोकि जनता से घोषणा पत्रों पर सुझाव एकत्र करेंगी। इसके अलावा सैनी ने पंचकूला कार्यालय में एक सुझाव पेटी भी रखी।

पृष्ठ एक का शेष

असम विस का ...

के नामों के संबंध में अध्यक्ष की घोषणा, अध्यादेश प्रस्तुत करना, प्रतिवेदन प्रस्तुत करना, नियम आदि प्रस्तुत करना, विधान सभा की विभिन्न समितियों के प्रतिवेदनों का प्रस्तुतीकरण, विभिन्न समितियों, परिषदों आदि के सदस्यों के निर्वाचन के लिए प्रस्ताव, वर्ष 2024-25 के अनुमोदन हेतु अनुपूरक मांगों का प्रस्तुतीकरण, वर्ष 2024-25 के अनुमोदन हेतु अनुपूरक मांगों का प्रस्तुतीकरण करना शामिल है। मंगलवार, 27 अगस्त को, क्रमशः प्रश्न, सदस्य घंटे, गैर-सरकारी सदस्यों के कार्यक्रम, बिल, संकल्प प्रस्ताव, विशेष संकल्प आदि और अन्य सरकारी कार्यक्रम हैं। बुधवार, 28 अगस्त को 2024-25 के लिए पूरक मंजूरी की मांगों पर सवाल, चर्चा और मतदान होंगे। वर्ष 2024-25 के लिए लंबित पूरक दावों की मंजूरी, 2024 के असम विनियोग (संख्या थ्री) विधेयक और अन्य सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत, विचार और समानता पर मतदान। गुरुवार, 29 अगस्त को प्रश्न, सरकारी विधेयकों की प्रस्तुति, विचार और पारण, अन्य सरकारी कार्यक्रम। शुक्रवार, 30 अगस्त को अंतिम दिन की कार्यवाही में प्रश्न, गैर-सरकारी सदस्य कार्यक्रम जैसे बिल, विशेष प्रस्ताव, संकल्प आदि, अन्य सरकारी कार्यक्रम और सदन का अनिश्चितकालीन स्थगन शामिल है। इस बीच, सत्तारूढ़ तथा विपक्षी दल विधानसभा सत्र के संबंध में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक भी ला सकती है। इस बीच, विपक्षी दल भी विभिन्न मुद्दों पर बहस के साथ सदन को उत्तेजित करने के लिए तैयार हैं।

यूएसटीएम से ...

राज्यों के विश्वविद्यालयों के छात्रों पर भी लागू होगी। पत्रकारों दवारा दबाव डाले जाने पर उन्होंने विस्तार से बताया कि मैं यूएसटीएम से निराश हूं; बे अपने मुद्दे असम पर थोप रहे हैं। यूएसटीएम के अंतर्गत नए मेडिकल कॉलेज के बारे में शर्मा ने मरीजों की कमी की आलोचना की और आरोप लगाया कि नेशनल मेडिकल काउंसिल के निरीक्षण के दौरान उन्होंने फर्जी मरीज पेश किए। उन्होंने कहा कि इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना का उद्देश्य जीएमसीएच को कमजोर करना है। यूएसटीएम में पढ़ रहे असमिया छात्रों के बारे में पूछे जाने पर शर्मा ने कहा कि असमिया छात्रों को बहां पढ़ने से बचना चाहिए, क्योंकि वे यहां मुफ्त में पढ़ सकते हैं। अगर जरूरत पड़ी तो मैं गुवाहाटी विश्वविद्यालय में सीटों की संख्या बढ़ाऊंगा। शर्मा ने निष्कर्ष देते हुए कहा कि यूएसटीएम दवारा प्रस्तुत चुनौती मेरे और असम के लोगों के लिए एक चुनौती है। अवसर आने पर मैं उचित कार्रवाई करूंगा।

त्रिपुरा में बाढ़...

गृह मंत्री अमित शाह से बात की और उन्हें बाढ़ की स्थिति से उत्पन्न मौजूदा हालात के बारे में जानकारी दी। मैंने उनसे अतिरिक्त एनडीआरएफ टीमों को भी भेजने का अनुरोध किया। उन्होंने मुझे हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। इस घड़ी में हमें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए मैं उनका आभारी हूं। सीएम साहा ने कहा कि पिछले दो दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। स्थिति को संभालने के लिए प्रयास जारी है। राज्य सरकार लगातार केंद्र सरकार के संपर्क में है। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को बचाने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन बचाव अभियान में जुटे हुए हैं। संवेदनशील इलाकों, खासकर नदी किनारे के इलाकों से लोगों को निकालने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन इस संकट के दौरान जनता की सहायता के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे स्थिति को देखकर न घबराएं और प्रशासन के साथ सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने ...

से राज्य के निवेश माहौल पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर गैर-असमिया लोग राज्य में उद्योग नहीं लाएंगे, तो कौन लाएगा? अगर असम में निवेश आना बंद हो जाता है, तो युवाओं के रोजगार पर असर पड़ेगा। हमें भावनाओं के बजाय विवेक से काम लेना चाहिए। उन्होंने हाल ही में शिवसागर में राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता एथलीट पर हुए हमले को असमिया बनाम गैर-असमिया मुद्दा न बनाने का आग्रह किया। राज्य में गैर-असमिया समुदाय के योगदान पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने कहा कि हमें ज्योति प्रसाद अग्रवाल और चंद्र कुमार अग्रवाल जैसे लोगों के योगदान को नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने असम को गौरव दिलाया। अगर कोई ऐसा समुदाय है जिसने असम में स्कूलों और कॉलेजों के लिए सबसे ज्यादा जमीन दी है, तो वह गैर-असमिया समुदाय है। इससे पहले, शर्मा ने विधानसभा के शरदकालीन सत्र के दौरान एक कानून पेश करने की योजना की घोषणा की थी, जो बरपेटा और ग्वालपाड़ा सहित निचले असम के तीन जिलों में स्वदेशी भूमि की खरीद को रोक देगा। हालांकि, शिवसागर विधायक अखिल गोगोई ने मंगलवार को संकेत दिया है कि रायजोर दल ऐसे कानून का समर्थन तभी करेगा जब इसमें ऊपरी असम के पांच जिले - डिब्रूगढ़, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट और तिनसुकिया भी शामिल होंगे। गोगोई ने कहा कि हम इस कानून का समर्थन तभी करेंगे जब इन पांच जिलों को इसमें शामिल किया जाएगा।

अप्रैल 2025 से बिजली...

विद्युत बोर्ड (एएसईबी) उप-विभागीय अधिकारी कार्यालय के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर लगाए जाने और अत्यधिक बिलों के खिलाफ अपनी निराशा व्यक्त की तथा भाजपा सरकार पर आम लोगों के कल्याण की अपेक्षा लाभ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। इससे पहले 19 अगस्त को रायजोर दल की जोरहाट जिला समिति और कृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) ने स्थानीय निवासियों के सहयोग से असम विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एपीडीसीएल) कार्यालय के सामने धरना दिया था। रायजोर दल की जोरहाट इकाई ने भी मुख्य कार्यकारी अभियंता को एक ज्ञापन सौंपकर इस मुद्दे का तत्काल समाधान करने का आग्रह किया। बढ़ते असंतोष के जवाब में, मुख्यमंत्री शर्मा ने उन दावों का खंडन किया कि बढ़ते बिजली बिलों के लिए स्मार्ट मीटर जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने से राज्य में बिजली की खपत कम हुई है। अगर बिजली की कीमत में बढ़ोतरी होती है तो हम सभी मीडिया घरानों के पत्रकारों के घर पर स्मार्ट मीटर और मैनुअल मीटर दोनों लगाएंगे और उन्हें कीमत की तुलना करने और नतीजे देखने का मौका देंगे। शर्मा ने आगे तर्क दिया कि यदि स्मार्ट मीटर वास्तव में बिजली के बिलों में वृद्धि कर रहे होते, तो एएसईबी की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती, जो कि उनके अनुसार, ऐसा नहीं हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जून से सितंबर तक बिजली का बिल बढ़ता है और बाद में अक्तूबर से इसमें धीरे-धीरे कमी आती है। बिजली बिलों में एक रुपए की कटौती की घोषणा कई लोगों के लिए राहत की बात है, लेकिन चल रहे विरोध प्रदर्शनों से संकेत मिलता है कि राज्य की ऊर्जा नीतियों के प्रति असंतोष अभी भी उच्च स्तर पर है।

तकनीक का गलत ...

युवाओं को कुशल और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों की सूची प्रभावशाली है जो देश-विदेश में कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को पूर्व छात्र संघ के योगदान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम महान वैज्ञानिक और आधुनिक विज्ञान के प्रणेता जगदीश चंद्र बोस के नाम पर रखा गया है, जो संभवतः दुनिया के पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने वैज्ञानिक रूप से साबित किया कि पेड़-पौधों में भी भावनाएं होती हैं। उनकी क्रांतिकारी खोज ने वनस्पति जगत को देखने का हमारा नजरिया बदल दिया। उन्होंने छात्रों से उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने और प्रौद्योगिकी के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की समृद्ध विरासत पर हमें हमेशा गर्व होता है। युवा इस समृद्ध विरासत का हिस्सा हैं और उन्हें इसका ध्वजवाहक बनना होगा। उन्होंने छात्रों को अपनी योग्यताओं और क्षमताओं पर भरोसा करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

चंपई सोरेन ने ...

कहा था कि मेरी किसी से मुलाकात नहीं हुई। मैं यहां (दिल्ली) किसी निजी काम से आया था। मैं उनसे (भाजपा नेता से) मिलना नहीं चाहता था। भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि यह सब कौन कह रहा है? झारखंड इकाई के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को कहा कि चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की संभावनाओं को लेकर उनके साथ अभी कोई बातचीत नहीं हुई है। मरांडी ने कहा कि चंपई एक मंझे हुए नेता हैं और वह अपनी आगे की राह के बारे में निर्णय खुद लेंगे। चंपई ने पोस्ट में बताया कि तीन जुलाई को पार्टी विधायकों की बैठक में उनसे इस्तीफा देने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वह इस निर्देश से आहत थे, क्योंकि उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंची थी। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, उन्होंने बैठक में घोषणा की कि आज से मेरे जीवन का एक नया अध्याय शुरू होगा। उन्होंने कहा कि उनके पास तीन विकल्प हैं, पहला-राजनीति से संन्यास ले लें, दूसरा-एक नयी पार्टी बनाएं और तीसरा-कोई सहयोगी मिले तो उसका दामन थाम लें। चंपई ने कहा कि उस दिन से लेकर अब तक और आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक, इस यात्रा में मेरे लिए सभी विकल्प खुले हैं।

ट्राई का नाम लेकर ...

संचार (कॉल, संदेश या नोटिस) को संभावित धोखाधड़ी का प्रयास माना जाना चाहिए। इसका कोई जवाब नहीं दिया जाना चाहिए। ट्राई ने कहा कि किसी भी मोबाइल नंबर का बिलिंग, केवाईसी या अन्य दुरुपयोग के कारण डिस्कनेक्शन संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) द्वारा किया जाता है। नागरिकों को सतर्क रहने, संदिग्ध धोखेबाजों के झांसे में नहीं आने, नहीं घबराने और संदिग्ध धोखेबाज का शिकार नहीं बनने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा नियामक ने उन्हें संबंधित टीएसपी के अधिकृत कॉल सेंटर या ग्राहक सेवा केंद्रों से संपर्क करके ऐसी कॉलों की पुष्टि करने की भी सलाह दी है। नियामक ने कहा कि साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए नागरिकों को दूरसंचार विभाग के संचार साथी प्लेटफॉर्म पर चक्षु सुविधा के जरिए संदिग्ध धोखाधड़ी वाले संचार की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्लेटफॉर्म को https://sancharsaathi.gov.in/sfc/ पर एक्सेस किया जा सकता है। साइबर अपराध के पुष्ट मामलों के लिए, पीड़ितों को निर्दिष्ट साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर *1930* पर या आधिकारिक वेबसाइट https://cybercrime.gov.in/ के माध्यम से घटना की रिपोर्ट करनी चाहिए।

अमेरिका में 90 फीट ...

होम ग्रुप के प्रमुख जुपल्ली रामेश्वर राव ने कहा कि कार्यक्रम का हिस्सा बनकर मेरा जीवन धन्य हो गया। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम 15 अगस्त से चल रहा था। चिन्न जीयर स्वामी के मार्गदर्शन में बड़ी भव्यता के साथ आयोजित इस समारोह में मायहोम्स ग्रुप के प्रमुख जुपल्ली रामेश्वर राव समेत भारतीय मूल के कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जुपल्ली रामेश्वर राव ने कहा कि मैं उन सभी को साष्टांग नमस्कार करता हूं, जिन्होंने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। यह सिर्फ भारतीयों के लिए नहीं, बल्कि सबके लिए है, हमारे पुराण शास्त्र और कल्चर यही कहता है। उन्होंने कहा कि अगर लीडर सही है तो सब सही है और लीडर गलत तो सब गलत। हम सब लकी है कि हमारे पास महान आचार्य हैं। स्वामी जी के आशीर्वाद से ही मैं आप सबके सामने खड़ा हूं। मैं स्वामी जी में भगवान श्रीराम को देखता हूं, श्रीमन नारायण को देखता हूं, जगदाचार्य को देखता हूं। इन्होंने मेरी जिंदगी में बहुत कुछ दिया है। मेरे जीवन के हर क्षण में स्वामी जी का योगदान है। प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चिन्न जीयर स्वामी ने कहा कि यह कोई अलग परियोजना नहीं बल्कि गहरे आध्यात्मिक संकल्प की प्राप्ति है। हनुमान जी की ये प्रतिमा का अनावरण अमेरिका की भव्य मूर्तियों के परिदृश्य में बढ़ोतरी का प्रतीक है। जो दुनिया भर को आकर्षित करता है। यह विदेशी धरती पर भारतीय रूढ़िवाद की सांस्कृतिक समृद्धि को भी आगे ले जाएगा। उन्होंने भारतीय विरासत और आध्यात्मिक एकता की महिमा के बारे में भी लोगों को बताया। ह्यूस्टन में श्री श्री श्री त्रिदंडी चिन्न जीयर स्वामी द्वारा स्थापित यह अभय हनुमान प्रतिमा, एक मनमोहक भावनात्मक विरासत के साथ-साथ दुनिया में भारत का आध्यात्मिक गौरव भी दिखा रही है। स्टेच्यू ऑफ यूनियन की वेबसाइट के मुताबिक यह उत्तरी अमेरिका में भगवान हनुमान की सबसे ऊंची प्रतिमा है। जो भक्ति, शक्ति और निस्वार्थ सेवा की प्रतीक है। बता दें कि हनुमान जी की 90 फीट की इस प्रतिमा को टेक्सास के शुगर लैंड में अष्टलक्ष्मी मंदिर में स्थापित किया गया है। यह प्रतिमा परोपकार, शक्ति और आशा का संचार कर रही है। यह एक ऐसा आध्यात्मिक केंद्र है जहां दिलों को सांत्वना मिलती है।

मौजूदा 151 ...

में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या तथा ठाणे में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 16 मौजूदा सांसद और विधायक ऐसे हैं, जिन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 के तहत बलात्कार से संबंधित मामलों की जानकारी दी है, जिसके लिए न्यूनतम 10 साल की सजा का प्रावधान है और इसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। इनमें से दो सांसद और 14 विधायक हैं। आरोपों में एक ही पीड़िता के खिलाफ बार-बार अपराध की घटनाएं भी शामिल हैं, जो इन मामलों की गंभीरता को और अधिक रेखांकित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, राजनीतिक दलों में सबसे अधिक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 54 सांसद और विधायक हैं, जिनके खिलाफ महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले हैं। इसके बाद कांग्रेस के 23 और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के 17 सांसद-विधायक हैं। भाजपा और कांग्रेस दोनों के ही पांच-पांच मौजूदा सांसद-विधायक बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे हैं। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाली संस्था एडीआर ने राजनीतिक दलों को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट देने से परहेज करने की आवश्यकता पर जोर दिया, खासकर उन लोगों को जिन पर बलात्कार और महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराधों के आरोप हैं। रिपोर्ट में सांसदों-विधायकों के खिलाफ अदालती मामलों की त्वरित सुनवाई तथा पुलिस द्वारा पेशेवर तरीके से और गहन जांच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है।

लद्दाख से सटे ...

हुआ था। जारी की गई तस्वीरों के मुताबिक, यहां छह हेलीस्ट्रिप बनाए जा रहे हैं। इसका मतलब है कि यहां एक साथ 6 से 12 हेलीकॉप्टर तैनात किए जा सकते हैं। यह लद्दाख के डेमचोक से सिर्फ 160 किलोमीटर और उत्तराखंड के बाराहोती से 193 किलोमीटर दूर है। चीन हमेशा से ही विस्तारवादी मानसिकता रखता रहा है। चीन भारत के कई हिस्सों पर अपना दावा करता रहा है। हाल ही में उसने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का नामकरण कर उन्हें चीन का हिस्सा बताया था। वहीं, सीमा पर कब्जे को लेकर भी वह कई बार भारत से भिड़ चुका है। गलवान घाटी में भी चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच तीखी झड़प हुई थी। वहीं, हाल में चीन की एक और करतूत सामने आई थी। चीन 13 हजार फीट की ऊंचाई पर ताजिकिस्तान में सैन्य अड्डा बना रहा है। सेटेलाइट इमेज के जरिए इसका खुलासा हुआ था। कहा जा रहा है कि चीन यह सैन्य अड्डा कई वर्षों से बना रहा है। यह जगह अफगानिस्तान से सटे पीओके से ज्यादा दूर नहीं है।

ईरान में पाकिस्तानी ...

के मुताबिक, घायलों में से कइयों की हालत गंभीर है। दुर्घटना के समय बस में लगभग 51 लोग सवार थे। यह बस तीर्थयात्रियों को लेकर इराक जा रही थी। पाकिस्तान के अखबार डॉन के मुताबिक ब्रेक फेल होने की वजह से बस दुर्घटनाग्रस्त हुई। सभी तीर्थयात्री अरबईन की याद में होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए इराक जा रहे थे। यह समारोह हर साल सातवीं शताब्दी में एक शिया संत की मृत्यु के 40वें दिन मनाया जाता है।

अनकापल्ली के ...

अनकापल्ली की एसपी दीपिका के हवाले से बताया कि अच्युटापुरम एसईजेड की एक कंपनी में रिएक्टर विस्फोट की घटना में 20 लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने जिला कलेक्टर और एसपी को विस्फोट स्थल का दौरा करने और घायल श्रमिकों को बेहतर इलाज प्रदान करने का निर्देश दिया है।

पूसीरे की रेसुब ने नियमित तलाशी के दौरान 225 अवैध प्रवासियों को पकड़ा

गुवाहाटी (हिंस)। अवैध प्रवासियों (बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं) का पता लगाने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) लगातार अभियान चला रही है। आरपीएफ ने 1 जनवरी से 15 अगस्त तक पूसीरे के विभिन्न स्टेशनों पर तलाशी के दौरान 225 अवैध प्रवासियों और 16 भारतीय एजेंटों को हिरासत में लिया। पूसीरे की रेसुब ने 22 अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बुधवार को बताया है कि 1 अगस्त को अगरतला रेसुब की टीम ने जीआरपी के साथ संयुक्त रूप से अगरतला रेलवे स्टेशन पर एक नियमित अभियान चलाया। इस दौरान स्टेशन परिसर में दस संदिग्ध व्यक्तियों (तीन महिलाएं और सात पुरुष) को हिरासत में लिया। रेसुब के अनुसार इन लोगों ने कबूल किया कि वे लोग बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। यह लोग ट्रेन से दिल्ली जाने की योजना बना रहे थे।

आरपीएफ ने इन लोगों को हिरासत में लेकर जीआरपी अगरतला को सौंप दिया गया। इससे पहले रेसुब ने 2 और 23 जुलाई को भी अगरतला स्टेशन से 11 और 4 अवैध प्रवासियों को पकड़ा था। शर्मा ने बताया कि स्टेशनों और ट्रेनों में अवैध प्रवासियों, रोहिंग्याओं और संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी नजर रखने के लिए पूसीरे नियमित कार्रवाई कर रही है। आरपीएफ संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए विभिन्न स्तरों पर काम कर रही है।

बरपानी नदी का तटबंध टूटने से आठ मकानों में भरा पानी

नगांव (हिंस)। जिले के कामपुर में एक फिर से बाढ़ आने से लोग परेशान हैं। जलस्तर बढ़ने से कसुवा के माधवपाड़ा में बरपानी नदी का तटबंध टूट गया। जिससे इलाके के आठ परिवारों के मकानों में बाढ़ का पानी भर गया है। राज्य में लगातार बारिश के कारण अनेक हिस्सों में बाढ़ की स्थिति फिर से एक बार उत्पन्न हो गई है। इस कड़ी में लगातार बरसात के कारण कार्बी लांग्पी जल विद्युत परियोजना जलस्तर में काफी वृद्धि हुई है, जिसके चलते बीती रात परियोजना के गेट खोले जाने से बरपानी नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। बताया गया कि कसुवा के माधवपाड़ा में बरपानी नदी के बाढ़ के पानी से तटबंध टूट गया, जिसके चलते इलाके में बाढ़ आ गई है। बाढ़ के पानी में आठ परिवारों के आवासों में पानी भर गया है। वहीं दूसरी ओर शाली धान की खेती भी डूब गई है।

जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ है : सोनोवाल

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय जहाजरानी आदि मामलों के मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से भाजपा एक के बाद एक चुनाव जीतती रही है। राज्य की जनता का समर्थन लगातार भाजपा को प्राप्त हो रहा है। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल बुधवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मंत्री सोनोवाल ने राज्यसभा की दो सीटों के लिए भाजपा के दोनों उम्मीदवार रामेश्वर तेली और मिशन रंजन दास को शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के दोनों ही उम्मीदवार योग्य एवं कर्मठ हैं। जनता के आशीर्वाद से दोनों ही उम्मीदवारों का जीतना निश्चित है। इस दौरान उन्होंने पंचायत चुनाव, नगर निगम चुनाव, लोकसभा चुनाव तथा विधानसभा चुनाव पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार रामेश्वर तेली पहले दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुके हैं। वह डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद होने के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री भी रहे। इसके अलावा भाजपा के दूसरे उम्मीदवार मिशन रंजन दास भी उत्तर करीमगंज निर्वाचन क्षेत्र से चार बार विधायक रह चुके हैं।

मंत्री सिंघल ने पीएमएसवाई के पुरस्कार समारोह में लिया हिस्सा

गुवाहाटी (हिंस)। आवास एवं शहरी कार्य मंत्री अशोक सिंघल ने आज गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। असम में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर निधि के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए राज्य के विभिन्न नगर निकायों और ऋण देने वाले बैंकों या वित्तीय संस्थानों को पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 के कारण लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण आर्थिक रूप से प्रभावित स्ट्रीट वेंडरों को राहत देने और उन्हें अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए 2020 में महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी। उन्होंने कहा कि दूरदर्शी योजना *प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना* ने देश के अन्य हिस्सों की तरह असम में भी रिकॉर्ड संख्या में स्ट्रीट वेंडरों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि *स्वनिधि से समृद्धि तक* नामक एक अन्य सहयोगात्मक पहल के तहत प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री श्रमयोगी मान-धन योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना प्रदान की जाएगी। जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि आठ अन्य प्रकार की सरकारी योजनाएं हैं। मंत्री ने कहा कि असम ने प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट परिणाम दिखाए हैं, जिसके लिए केंद्र सरकार धीरे-धीरे राज्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्यान्वयन के लिए इस योजना ने अब 52 हजार के शुरुआती लक्ष्य से एक लाख 15 हजार से अधिक स्ट्रीट वेंडरों को कवर किया है। उन्होंने कहा कि अब तक प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के तहत राज्य में 4.09 करोड़ रुपए की ब्याज सब्सिडी सहित 214 करोड़ रुपए से अधिक का वितरण किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 65 हजार छोटे व्यवसायी अब डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपना चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट परिणामों के लिए असम को कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। इस वर्ष 18 जुलाई को असम को नवाचार और बेहतर क्रियान्वयन के लिए दो अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार मिले, साथ ही इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार भी मिला। मंत्री सिंघल ने कहा कि राज्य के 11 नगर निकायों में छोटे व्यापारियों के बीच प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना के प्रभाव का अध्ययन डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय और गुवाहाटी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के माध्यम से किया गया है।

दिसंबर में होंगे असम में पंचायत चुनाव : रंजीत दास

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने कहा है कि राज्य में दिसंबर में पंचायत चुनाव होंगे। मंत्री ने कहा कि पंचायत चुनाव राजनीति से मुक्त होंगे। इस साल के पंचायत चुनाव में किसी पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं होगा। यह पहली बार होगा कि पंचायत के वार्ड सदस्यों द्वारा पंचायत अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। इससे पहले ग्राम पंचायत अध्यक्ष के लिए चुनाव हुआ करता था। मंत्री दास ने सिलचर में पंचायत चुनाव पर की बातें कहीं। सिलचर जिला भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि 31 अगस्त तक पंचायतों और सितंबर तक ब्लॉकों का पुनर्गठन किया जाएगा।

राज्यसभा चुनाव : भाजपा के दो उम्मीदवारों ने दाखिल किया नामांकन

गुवाहाटी (हिंस)। असम से राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए भाजपा के दो नेताओं ने बुधवार को अपना नामांकन पत्र विधानसभा में दाखिल किया। भाजपा ने रामेश्वर तेली और मिशन रंजन दास को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के दोनों नेताओं ने आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रदेश अध्यक्ष भबेश कलिता एवं असम गण परिषद के अध्यक्ष तथा असम सरकार के मंत्री अतुल बोरा आदि की उपस्थिति में औपचारिक रूप से नामांकन पत्र दाखिल किए। गौरतलब है कि रामेश्वर तेली इससे पहले दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। वह डिब्रूगढ़ लोकसभा से सांसद के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री भी थे। मिशन रंजन दास उत्तर करीमगंज निर्वाचन क्षेत्र से चार बार के पूर्व विधायक हैं। इस बीच, विपक्ष ने अभी राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि विपक्ष आपसी सामंजस्य के अभाव के चलते इस बार अपना उम्मीदवार राज्यसभा के चुनाव में नहीं उतारेगा। ऐसे में भाजपा के दोनों उम्मीदवारों की जीत निश्चित मानी जा रही है। ज्ञातव्य है कि डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट के सांसद होने के बावजूद रामेश्वर तेली को 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट नहीं दिया था और मिशन रंजन दास का भी विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी ने टिकट काट दिया था। इसके बावजूद दोनों नेताओं ने पार्टी के निर्णय का किसी भी प्रकार से विरोध नहीं किया था, यही कारण है कि भाजपा ने दोनों नेताओं को उच्च सदन में भेजने का निर्णय लिया है। राज्य के दोनों नेताओं के नाम पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों प्रत्याशी पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने कोकराझाड़ में *बोड़ोलैंड कॉलिंग...* का उद्घाटन किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने 21 अगस्त को औपचारिक रूप से *बोड़ोलैंड कॉलिंग... ए जर्नी थ्रू ट्रेडिशन, हेरिटेज एंड द स्पिरिट ऑफ द डूरंड कप* पुस्तक का उद्घाटन किया। यह पुस्तक बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का दस्तावेजीकरण करने में एक मील का पत्थर है। यह बीटीआर के राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में पाए जाने वाले लुभावने परिदृश्य, विविध पारिस्थितिकी तंत्र और अद्वितीय वन्य जीवन को स्पष्ट रूप से चित्रित करता है। इसके अतिरिक्त, यह उन जीवंत परंपराओं और सांस्कृतिक प्रथाओं पर प्रकाश डालता है जो इस क्षेत्र को परिभाषित करते हैं। पुस्तक में डूरंड कप के 133वें संस्करण के कोकराझाड़ चरण के रोमांचक क्षणों को भी दर्शाया गया है, जिसमें बताया गया है कि कैसे यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट, एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल आयोजन, समुदायों को एकजुट करना और खेल भावना की सच्ची भावना को मूर्त रूप देना जारी रखता है। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो ने उद्घाटन के दौरान टिप्पणी की, यह पुस्तक न केवल खेल भावना का जश्न मनाती है बल्कि बीटीआर की सांस्कृतिक समृद्धि पर भी प्रकाश डालती है, जो खेल की दुनिया में हमारे क्षेत्र की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाती है। पुस्तक का संपादन बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप, बीटीसी सचिव दीथकानंद हजारिका, आरओ सह परिषद प्रमुख जाहिद अहमद तापदार और स्पोर्ट्स सीएचडी स्वंडवन मुचाहारी और डूरंड कप की जीवंत ऊर्जा द्वारा किया गया है। लांच कार्यक्रम में बीटीसी विधान सभा अध्यक्ष काति राम बोरो, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य स्पोर्ट्स दाओबाइसा बोरो, 21 डिवीजन के जीओसी जनरल विशाल सिंह और ब्रिगेडियर अक्षय चंद्रन सहित बीटीआर भर से भारतीय सेना के उत्साही लोगों सहित कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। *बोड़ोलैंड कॉलिंग...* की रिलीज न केवल बीटीआर के सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण को समृद्ध करती है बल्कि भारत की खेल विरासत में इसकी जगह भी मजबूत करती है।

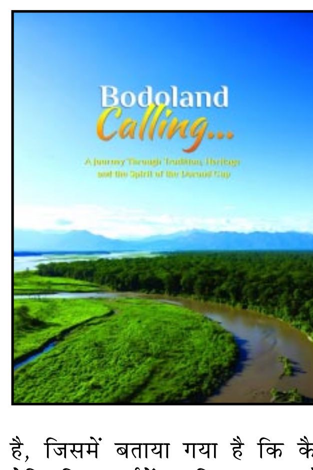

बोड़ोलैंड युवा रोजगार मिशन का उद्घाटन संपन्न

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। उद्यमिता, रोजगार और नवाचार बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करेंगे। आज, हमारे पास शांति और सुरक्षा का माहौल है जिसका उपयोग मानव गतिविधि के हर क्षेत्र में व्यक्तिगत अवसरों का पता लगाने के लिए किया जाना चाहिए। पिछली पीढ़ियों ने, उत्पादन के लिए स्वदेशी प्रथाओं और पारंपरिक अर्थव्यवस्था के निर्माण के अपने जबरदस्त ज्ञान के साथ, हमारे लिए एक ठोस नींव रखी है। इस फाउंडेशन को आधुनिक प्रौद्योगिकी उपकरणों, नवाचार और बाजार संबंधों के साथ उन्नत करने की आवश्यकता है। युवाओं और वर्तमान एवं भविष्य के उद्यमियों का ध्यान इस दिशा में होना चाहिए। उद्यमिता एक ऐसी गतिविधि है जो सबसे तेज विकास सुनिश्चित करती है। बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोरो ने कोकराझाड़ के बोड़ोलैंड एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज में दो दिवसीय उद्यमी कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही. कार्यशाला स्टार्टअप्स, स्थानीय उत्पादों के लिए डिजिटल मार्केटिंग बाजार संपर्क और विभिन्न श्रेणियों के लाभार्थियों के लिए उपलब्ध भारत सरकार की योजनाओं के विषयों पर केंद्रित थी। दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन उद्योग विभाग, बीटीसी द्वारा किया गया था, और इसमें असम सरकार, केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीबी इंजीनियरिंग कॉलेज के संसाधन व्यक्तियों ने भाग लिया था। इस अवसर पर बीटीसी के कार्यकारी सदस्य रंजीत बसुमतारी, प्रोफेसर प्रणब सिंह, मेडलसन रोंगहांग, स्टार्टअप विशेषज्ञ नाबा केआर बोरो, प्रबंध निदेशक, बोड़ोलैंड ट्रेड एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पामी ब्रह्मा, उद्योग के अतिरिक्त निदेशक निर्मल कुमार डे सहित कई लोग उपस्थित थे। प्रमोद बोरो ने आज कोकराझाड़ के बीटीसी विधानसभा सभागार में *बोड़ोलैंड युवा रोजगार मिशन* का भी उद्घाटन किया। नए मिशन का उद्देश्य बेरोजगार, शिक्षित युवाओं और वर्तमान कॉलेज के छात्रों के लिए अनुकूलित विषय-आधारित कोचिंग प्रदान करना है। प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर अपनी विशेषज्ञता के आधार पर कोचिंग की पेशकश करेंगे, और राज्य और केंद्र सरकार के रोजगार क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कोचिंग सत्र प्रत्येक सप्ताहांत विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार की नौकरी के अवसरों पर केंद्रित होंगे। मिशन में बीटीआर में पच्चीस कॉलेज और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (एचएसएस) शामिल होंगे, जिनमें कोकराझाड़, चिरांग, बक्सा, तामुलपुर और उदलगुरी में प्रत्येक में पांच संस्थान होंगे। इस पहल का उद्देश्य छात्रों और नौकरी चाहने वालों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए कुशलतापूर्वक तैयारी करने में मदद करना है।

स्मार्ट मीटर में एक महीने का बिल आया पांच लाख

हैलाकांदी (असम) (हिंस)। स्मार्ट मीटर में आने वाला बिल विद्युत उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। स्मार्ट मीटर का बिल मनमाने तरीके से आता है। हैलाकांदी में एक व्यक्ति का स्मार्ट मीटर का बिल एक महीने में पांच लाख रुपए से अधिक का आया है। हैलाकांदी जिले के अलगापुर में एक चावल मिल का एक महीने का बिल पांच लाख 62 हजार 409 रुपए आया है। दो माह पूर्व हैलाकांदी विद्युत विभाग ने हाजी मैनामिया नामक इस राइस मिल में स्मार्ट मीटर लगाया था और पहले महीने में एक लाख रुपए और दूसरे महीने में पांच लाख रुपए से ज्यादा बिल आया। स्मार्ट मीटर लगने से पहले राइस मिल का बिल 10 से 12 हजार रुपए प्रतिमाह आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगाने के बाद के महीने में एक लाख और दूसरे महीने में पांच लाख रुपए से ज्यादा का बिल आ गया है।

मायूमं कामाख्या ने मनाया रक्षा बंधन का त्योहार

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने स्नेहल बीदासरिया की अध्यक्षता में आज उलुबारी स्थित डी जी पी ऑफिस (असम हेडक्वाटर) में जी पी सिंह सर के साथ रक्षा बंधन का त्योहार बड़ी ही साधगी पूर्वक मनाया गया शाखा सदस्य व कार्यक्रम की सह संयोजिका अनिशा अग्रवाल द्वारा फुलम गमोछा से उनका सम्मान किया गया तद्पश्चात शाखा की अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया, सलाहकार मीना पोद्दार, सह सचिव वा कार्यक्रम संयोजिका मीना जैन ने रक्षा सूत्र बांधा । यह जानकारी जनसम्पर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी।

मारवाड़ी सम्मेलन, महिला शाखा की कार्यकारिणी में कई कार्यक्रमों पर प्रस्ताव पारित किए गए

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता छत्रीबाडी स्थित परशुराम सदन में संपन्न हुई। जिसमें गत दिनो हुए कार्यक्रमों पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित के अलावा भावी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। अध्यक्ष संतोष शर्मा ने गत दिनों आयोजित हुए सिंजारा व नानी बाई को मायरो कार्यक्रम की अपार सफलता के लिए सभी सदस्योंओ का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद दिया। भावी कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए आगामी पितृपक्ष के उपलक्ष्य में गौशाला में गो सेवा, नवरात्रा के उपलक्ष्य में डांडिया एवं कन्या पूजन तथा दिवाली के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर को परशुराम सदन में दिवाली मेला के आयोजन का प्रस्ताव ग्रहण किया गया। इसके अलावा पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के द्वारा निर्माणाधीन छात्रावास में भी महिला शाखा की तरफ से अनुदान राशि देने पर विचार किया गया। व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कैप्टन मीरा सिद्धार्थ दवे का टॉक शो एवं निशा चांडक द्वारा बौद्धिक विकास का कार्यक्रम करवाने पर भी चर्चा की गई। शाखा अध्यक्ष ने मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा के सौजन्य से आयोजित मंडलीय स्तर पर प्रतिभा एक खोज की कार्यक्रम में भी संयोजक समिति में अपने सदस्योंओ को मनोनीत किया। जिन्होंने उक्त कार्यक्रम को संपादन करने में अहम भूमिका निभाई।कार्यकारिणी में शाखा सलाहकार सरला काबरा, सरोज मित्तल, वंदना सोमानी, शारदा केडिया, इंदिरा जिंदल और मधु पाटनी ने भी अपना मार्गदर्शन दिया। सभा के अंत में शाखा सचिव मंजू भंसाली ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह जानकारी शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।

No. TDB/15th FC/78/2021-22/740 Date.21/08/ 2024

Tender No. 09 OF 2024-25

INVITATION FOR BID (IFB)

The Block Development Officer, Tamulpur Development Block, Dist-Tamulpur, BTC, Assam invites bid affixing non-refundable Court fee Stamp of Rs.8.25(Rupees Eight and Twenty Five Paisa) only from the approved and eligible contractor Class-I (A,B,C), Class-II or Class-III category registered with Assam PWD (R&B)/Iirrigation Deptt. for the following work under P&RD Dcptt, under 15th FC (Tied Grant) for the year 2022-23 during 2024-25. Tender Box will be available for dropping tender in the Office of the Block Development Officer. Tamulpur Development Block from 22/08/2024 up to 2.00 PM on 16/09/2024 (if any holidays or Bandh falls then the subsequent day)and the tender box will be opened at the same day on 3.00 PM in same office.

Sl. No.	Name of work	Tender value (In Lakh)	Time of Completion	Tender Cost &Eamcst Money & Date offender
1.	Construction of Community Toilet at Ulubari Chowk near Banguri Rajohuwa Moncho	11.00	180 days from the date of issue of final work order.	1. Tender cost @0.03% of A/A amount to be pledged by Bank dratf) in favour of Principal Secretary, BTC. 2. Earnest money @2% (In case of ST/SC 1%) of estimated value to be pledged by demand draft/FDR in favour of B.D.O Tamulpur Development Block. 3. Bidders arc specifically requested to inspect the field and study the working condition before submitting their offer/bid.
2.	Construction of Community Toilet at Kumarikata near Durga Mandir			
3.	Construction of Community Toilet at Bornagor Mandir			

Details NIT may be seen at Office of the B.D O Tamulpur Development Block. Tamulpur. Dist- Tamulpur.

Sd/- Block Development Officer,
Tamulpur Dev. Block, Tamulpur

IPR(BTC)/C/2024-25/351

संपादकीय

किसानी, बेरोजगारी का चुनाव

हरियाणा में किसान और बेरोजगारी निर्णायक चुनावी मुद्दे साबित हो सकते हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं। हरियाणा की फसलों की खरीद सीमित है तथा हरियाणा के किसानों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री की गारंटी को 'चुनावी स्टंट' करार दिया है। किसानों का दावा है कि मुख्यमंत्री सैनी के घोषित नए एमएसपी से उन्हें 3851 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। नुकसान का यह आंकड़ा किस आधार पर तय किया गया है, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि किसान आंदोलन में हरियाणा अपेक्षाकृत सक्रिय नहीं था और न ही आंदोलन के बाद किसान नेताओं को कोई राजनीतिक सफलता मिली। पंजाब और हरियाणा में जिन किसान नेताओं ने चुनाव लड़े, वे पराजित हुए और जमानतें भी जब्त हुईं। हरियाणा में सबसे अधिक करीब 24 फीसदी आबादी जाटों की है। वे ही अधिकतर किसानी से जुड़े हैं। उनका समर्थन भाजपा, कांग्रेस, इंनेलो, जेजेपी आदि दलों के लिए विभाजित है। सत्ता-विरोधी लहर होने के बावजूद भाजपा 5 लोकसभा सीटों पर जीती और 5 सीटें कांग्रेस के हिस्से आईं। अब भी यही सीधा मुकाबला रहना है, क्योंकि अन्य दल बहुत कमजोर हो चुके हैं अथवा टूट-फूट कर बिखर चुके हैं। फिर भी यह चुनाव आसान नहीं होगा। हरियाणा में भाजपा सरकार और पार्टी के खिलाफ जबरदस्त लहर है। यह लहर पार्टी के भीतर भी महसूस की जा सकती है। भाजपा नेतृत्व ने लोकसभा चुनाव से पूर्व ही इसे पढ़ लिया था, लिहाजा तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया। वह 12 मार्च, 2024 से मुख्यमंत्री हैं। नायब सैनी ने 'नॉन स्टॉप' बैनर से अपनी सरकार का अभियान शुरू किया। अखबारों में पूरे पृष्ठ के विज्ञापन छपवाए गए और दावे किए गए कि हरियाणा हर क्षेत्र में अब 'नॉन स्टॉप' है। एमएसपी का जिक्र भी किया गया। उसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कांग्रेसी धड़े ने चुनौती दी, जिसका नारा है-'हरियाणा मांगे हिसाब।' कांग्रेस में शैलजा के नेतृत्व वाला भी धड़ा है और आलाकमान इस धड़ेबाजी को खत्म नहीं कर पाया है। हालांकि बेरोजगारी, किसान-संकट और रुकी, स्थिर, गतिहीन अर्थव्यवस्था आदि मुद्दे हरियाणा में अच्छी तरह परिचित रहे हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव के आते-आते विपक्ष ने उन्हें गरमा दिया है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के डाटा के अनुसार, हरियाणा में बेरोजगारी दर सर्वाधिक है, जबकि सरकार का डाटा इसके बिल्कुल उलट है और वह बेरोजगारी के मामले में हरियाणा को चौथे स्थान पर मानती है। राज्य की औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं व रोजगार प्रभावित है।

संयुक्त किसान मोर्चा की हरियाणा ईकाई ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी, केंद्रीय कृषि मूल्य आयोग, जो एमएसपी तय करता है, किसान आंदोलन के दौरान मारे गए 736 किसानों के स्मारक की मांग और अन्य जुड़े मामलों पर विमर्श करना तय किया है। ये कोई मान्यता प्राप्त किसान संगठन नहीं हैं। केंद्र और राज्य सरकार अपने स्तर पर एमएसपी को लेकर लगातार विमर्श करती रही हैं। यह दीगर है कि फिलहाल कोई भी निष्कर्ष सामने नहीं है। अब किसानों के विमर्श का निष्कर्ष कुछ भी रहे, लेकिन यह हरियाणा के विधानसभा चुनाव की दशा-दिशा तय कर सकता है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित किया था, जिसमें एमएसपी को लेकर गारंटी दी गई थी कि सरकार एमएसपी पर ही फसलें खरीदेगी। संयुक्त किसान मोर्चा ने उस गारंटी को खारिज कर दिया। किसान राष्ट्रीय स्तर पर एमएसपी की कानूनी गारंटी मांग रहे हैं, लिहाजा केंद्रीय मंत्रियों से ही बातचीत होती रही है। केंद्र सरकार ने ही एक कमेटी बनाई थी, जिसके फैसले अभी सार्वजनिक किए जाने हैं।

कानून के तहत धरमिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से सर्मपित संपत्तियों को संर्दभित करता है

वक्फ संशोधन और भाजपा का पुर्नरुत्थान

हरीश अहमद मिनहाज

सड़क से संसद तक सरकार से लड़ना होगा बल्कि साथ ही वक्फ बोर्ड में बैठे माफिया, सरगना और अपराधी छवि के लोगों के साथ जिला प्रशासन, राज्य सरकार और वेंद्र सरकार से भी लड़कर वक्फ बोर्ड की कब्जे वाली जमीन को आजाद करा कर समाज के नव निर्माण में अपनी महती योग दान देकर वक्फ बोर्ड की जायदाद को जनहित में सदुपयोग कर चार चांद लगाए। वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। जो ववुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है हरना, वक्फ का मतलब वाकिफ - परिचितय भी है। वक्फ अल्लाह के नाम पर र्अपित वस्तु या परोपकार के लिए दिया गया धन होता है। इसमें चल और अचल संपत्ति को शामिल किया जाता है।

अब समय आ गया है कि आम जनता को अब न सिर्प सड़क से संसद तक सरकार से लड़ना होगा बल्कि साथ ही वक्फ बोर्ड में बैठे माफिया, सरगना और अपराधी छवि के लोगों के साथ जिला प्रशासन, राज्य सरकार और वेंद्र सरकार से भी लड़कर वक्फ बोर्ड की कब्जे वाली जमीन को आजाद करा कर समाज के नव निर्माण में अपनी महती योग दान देकर वक्फ बोर्ड की जायदाद को जनहित में सदुपयोग कर चार चांद लगाए। वक्फ अरबी भाषा का शब्द है। जो ववुफा शब्द से बना है, जिसका अर्थ होता है हरना, वक्फ का मतलब वाकिफ - परिचितय भी है। वक्फ अल्लाह के नाम पर र्अपित वस्तु या परोपकार के लिए दिया गया धन होता है। इसमें चल और अचल संपत्ति को शामिल किया जाता है। बता दें कि कोईं भी मुस्लिम अपनी संपत्ति वक्फ को दान कर सकता है। कोईं भी संपत्ति वक्फ घोषित होने के बाद गैरहस्तांतरणी य हो जाती है। वक्फ इस्लामी कानून के तहत धरमिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए विशेष रूप से सर्मपित संपत्तियों को संर्दभित करता है। इन संपत्तियों का प्रबंधन वक्फ या किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा नियुत्त मुतव्वली द्वारा किया जाता है। भारत में वक्फ की अवधारणा दिल्ली सल्तनत के समय से चली आ रही है। सुल्तान मुइजुद्दीन मुहम्मद गौरी की ओर से मुल्तान की जामा मस्जिद को एक गांव सर्मपित किया गया था। साल 1923 अंग्रेजों ने सबसे पहले मद्रास धरमिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम पेश किया था। इसका मुसलमानों और ईंसाइयों ने बड़े पैमाने पर विरोध किया था। इस प्रकार, उन्हें बाहर करने के लिए इसे फिर से तैयार किया गया, इसे केवल हिदुओं पर लागू किया गया और बाद में इसका नाम बदलकर मद्रास हिदू धरमिक और बंदोबस्ती अधिनियम 1927 कर दिया गया। 1954 में जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने वक्फ अधिनियम पारित किया था। जिसके तहत वक्फों का वेंद्रीकरण किया गया। इस अधिनियम के तहत सरकार ने 1964 में वेंद्रीय वक्फ परिषद की स्थापना की। 1995 में कानून में संशोधन करके प्रत्येक राज्य और वेंद्र शासित प्रदेश में वक्फ बोर्ड के गठन की अनुमति दी गईं। वेंद्रीय वक्फ परिषद अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक वैधानिक निकाय है। जिसकी स्थापना वक्फ अधिनियम, 1954 में दिए गए प्रावधान के अनुसार वक्फ बोर्डों के कामकाज और औकाफ के उचित प्रशासन से संबंधित मामलों पर वेंद्र सरकार के लिए सलाहकार निकाय के रूप में 1964 में की गईं थी। देश में वुल 31 वक्फ बोर्ड हैं। देश में चार लाख 27 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्ति पंजीवृत हैं। काफी संपत्ति ऐसी हैं जिनका पंजीकरण नहीं हो सका है। वक्फ संपत्ति के प्रबंधन का काम वक्फ बोर्ड करता है। यह एक कानूनी इकाईं है। बोर्ड संपत्तियों का पंजीकरण, प्रबंधन और संरक्षण करता है। देश में शिया और सुन्नी दो तरह के वक्फ बोर्ड हैं। अध्यक्ष के अलावा बोर्ड में राज्य सरकार के सदस्य, मुस्लिम विधायक, सांसद, राज्य बार काउंसिल के सदस्य, इस्लामी विद्वान और वक्फ के मुतवल्ली को शामिल किया जाता है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के अलावा बोर्ड वक्फ में मिले दान से शिक्षण संस्थान, मस्जिद, कब्रिस्तान और रैन-बसेरों का निर्माण व रखरखाव करता है। रेलवे और रक्षा विभाग के बाद देश में तीसरी सबसे बडी वक्फ बोर्ड के पास सबसे अधिक संपत्ति है। देश में वक्फ बोर्ड के आठ लाख एकड़ से ज्यादा जमीनें हैं। इनमें अधिकांश मस्जिद, मदरसा, और कब्रिस्तान शामिल हैं। वक्फ बोर्ड की अनुमानित संपत्ति की कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। करीब साढ़े नौ लाख एकड़ जमीन होने के बावजूद बोर्ड के पास किसी गरीब मुसलमान की मदद के लिए पैसा नहीं है। यानी अकेले वक्फ बोर्ड के पास ही तीन दिल्ली जितनी जमीनें हैं। जो 8.7 लाख संपत्तियों को नियंत्रित करती है। जिनकी अनुमानित आय का श्रोत 12000 करोड़ रुपया होना चाहिऐ। तुष्टिकरण की राजनीति कहिए या मुस्लिम राजनीति का ध्रुवीकरण, वेंद्र सरकार संसद में वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन के लिए विधेयक पेश किया है। दावा यह की वक्फ बोर्डो की पारर्दशिता और जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए है। विधेयक में वक्फ की ओर से संपत्ति के दावों की जांच करने और बोर्ड में महिलाओं को शामिल करने की अनिवार्यता पर जोर दिया गया है। मुख्य रूप से वक्फ बोर्डो के मनमाने अधिकार को कम करने के उद्देश्य से हैं, जो वर्तमान में उन्हें अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में दावा करने की अनुमति देता है। वक्फ अधिनियम के सेक्शन 40 पर बहस छिड़ी है। इसके तहत बोर्ड को रिजन टू बिलीव की शत्ति मिल जाती है। अगर बोर्ड का मानना है कि कोईं संपत्ति वक्फ की संपत्ति है तो वो खुद से जांच कर सकती है और वक्फ होने का दावा पेश कर सकता है। दरअसल, अगर कोईं संपत्ति एक बार वक्फ घोषित हो जाती है तो हमेशा ही वक्फ रहती है। इस वजह से कईं विवाद भी सामने आए हैं। अब सरकार ऐसे ही विवादों से बचने की खातिर संशोधन विधेयक लेकर आईं है। वक्फ की एक बेशकीमती संपत्ति को वक्फ बोर्ड के वुछ सदस्यों के द्वारा गलत तरीके से बेचे जाने का मामला भी इस समय अदालत में लंबित है। वक्फ बोर्ड में 12792 और ट्रिब्यूनल अदालत में 90207 केस लम्बीत है। हाल के वर्षो में कईं राज्य बोर्डो पर आरोप लगाया गया है कि वे भूमि की बढ़ती मांग के कारण अवैध रिश्वत के बदले में कम दरों पर डेवलपर्स और निजी खरीददारों को वक्फ भूमि बेच रहे हैं। जबकि वक्फ अधिनियम, 1955 की धारा 13 के अधीन कोईं भी व्यक्ति किसी चल या अचल सम्पत्ति को, जो वक्फ सम्पत्ति है, किसी अन्य व्यक्ति को नहीं बेचेगा, उपहार में नहीं देगा, विनिमय नहीं करेगा, बंधक नहीं रखेगा या हस्तांतरित नहीं करेगा। वेंद्र की राय है कि यदि वक्फ की संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन होगा तो इसको गलत तरीके से बेचा-खरीदा नहीं जा सकेगा। इसका सदुपयोग गरीब मुसलमानों के हितों में किया जा सकेगा। सरकार का कहना है कि वक्फ बोर्डो पर माफियाओं का कब्जा है। परंतु धर्मनिरपेक्ष परटियों का कहना है इसे संविधान से मिले 'धरमिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन' है। यह विधेयक अनुच्छेद 14, 15 और 25, 26, 29 में दिए गए सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। बहरहाल.....अल्पसंख्यक मामलों के वेंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। जिसमें धारा 40 को निरस्त करने और वक्फ बोर्डों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने जैसे प्रमुख बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। वक्फ कानून 1995 के सेक्शन 40 को हटाना चाहती है। इस कानून के तहत वक्फ बोर्ड को किसी भी संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार है। इसमें कहा गया है कि बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्य सदस्य होने चाहिए, और पिछड़े मुस्लिम वर्गो से कम से कम एक सदस्य। इसमें बोहरा और आगाखानी समुदायों से भी एक-एक सदस्य होना चाहिए। इसका उद्देश्य वक्फ बोर्डो की संरचना और कामकाज को बदलने के लिए धारा 9 और 14 में संशोधन करना है, जिसमें महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को शामिल किया गया है।

दृष्टि कोण

बांग्लादेश को ताकत का एहसास कराए भारत

सन 1971 की जंग में पाकिस्तान की मदद के लिए एडमिरल 'जॉन मेकेन' के नेतृत्व में आया अमरीका का सातवां एटमी जंगी बेड़ा 'यूएसएस एंटरप्राइज' बंगाल की खाड़ी में तथा ब्रिटेन का एयरक्राफ्ट कैरियर 'एचएमएस ईग्ल' अरब सागर में ही खड़े रह गए, लेकिन विश्व की सर्वोत्तम भारतीय थलसेना ने 16 दिसंबर 1971 को ढाका के 'रामना रेसकोर्स गार्डन' में पाक सेना को घुटनों के बल बिठाकर पाकिस्तान को पूरी दुनिया में बेआबरू कर दिया था। हिमाचल प्रदेश के कैप्टन 'जतिंदर नाथ सूद' के नेतृत्व में 'पांचवीं गोरखा' रेजिमेंट के जवानों ने बांग्लादेश के महाज पर आठ दिसंबर 1971 को 'पीरगंज' में हमला करके पाक सेना की किलेबंदी को ध्वस्त करके भारत की जीत का एक सुनहरा शिलालेख लिख दिया था। पीरगंज के युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले कैप्टन जतिदंर नाथ सूद को सेना ने 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा था। बेशक बांग्लादेश भारतीय सैन्य पराक्रम के रहमो करम से आजाद हुआ था। लेकिन काबिलेगौर रहे कि बांग्लादेश के सैन्य अफसरों की फौजी तालीम सन-1971 तक पाकिस्तान में ही हुई थी। इसीलिए बांग्लादेश की सेना तथा मजहबी जमातें जज्बाती तौर पर पाकिस्तान से आजाद नहीं हुई हैं। अतः बांग्लादेश को भारत विरोधी मानसिकता विरासत में मिली है। इस्कंदर अली मिर्जा, अयूब खान, याहिया खान, टिक्का खान व जिया उल हक जैसे पाकिस्तान के नामुराद जरनैलों से मिले जम्हूरियत को कुचलने वाले संस्कारों को बांग्लादेश की सेना ने भी पूरी अकीदत से तसलीम कर लिया था, जिसका पहला परिणाम सन-1975 में ही सामने आ गया था। सन-1971 में मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले बांग्लादेश के संस्थापक व राष्ट्रपति बंगबंधु 'शेख मुजीबुर रहमान' को बांग्लादेश की सेना ने 15 अगस्त 1975 के दिन उनके परिवार के कई सदस्यों सहित हलाक करके तख्तापलट कर दिया था। पाकिस्तान की तर्ज पर बांग्लादेश में तख्तापलट व तशद्दुद का जो दौर सन-1975 में शुरू हुआ था, वो मौजूदा वक्त तक जारी है। शेख मुजीबुर रहमान की हलाकत व तख्तापलट की साजिश में मुल्लविश 'खोडांकर मुस्ताक अहमद' बांग्लादेश के सदर बने मगर मात्र तीन महीने बाद ही सेना ने तख्तापलट कर दिया था। नवंबर 1975 को राष्ट्रपति बने 'अबू सादात मोहम्मद सईम' को डेढ़ वर्ष बाद ही इस्तीफा देना पड़ा था। शेख मुजीबुर रहमान के कत्ल के एक अन्य अहम किरदार व साबिक वजीरे आजम खालिदा जिया के शौहर जनरल 'जियाउर रहमान' सन-1977 में बांग्लादेश के राष्ट्रपति पद पर काबिज हो गए। पाक सेना में मेजर रहे जियाउर रहमान ने सन-1965 की जंग में खेमकरण सेक्टर में भारत के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था तथा पाक सेना ने जिया को 'सितारा-ए-जुर्रत' से नवाजा था। सन-1971 में जियाउर रहमान ने मुक्ति वाहिनी के सेक्टर कमांडर के तौर पर बांग्लादेश की आजादी में भी अपना किरदार अदा किया था तथा जंग के दौरान अपने कमान अधिकारी 'ईस्ट बंगाल रेजिमेंट' के पाक कर्नल 'जंजुआ' का कत्ल करके चटगांव के 'कलुरघाट' रेडियो स्टेशन से 27 मार्च 1971 को बांग्लादेश की आजादी की घोषणा कर दी थी। बांग्लादेश ने जिया को अपने सैन्य एजाज 'बीर उत्तम' से नवाजा था। लेकिन बांग्लादेश की सेना ने 30 मई 1981 के दिन अपने राष्ट्रपति व सिपाहसालार जियाउर रहमान का कत्ल करके तख्तापलट के मजमून को फिर दोहरा दिया था। भारत की मुखाल्फत करने वाले सियासी दल 'बीएनपी' की स्थापना जियाउर रहमान ने ही की थी। भारत व भूटान दोनों देशों ने छह दिसंबर 1971 को जंग के दौरान ही बांग्लादेश को मान्यता प्रदान की तथा अन्य मुल्कों से भी बांग्लादेश को मान्यता देने की अपील की थी। लेकिन सन-1980 के दौर में बांग्लादेश के वजीरे आजम रहे 'शाह अजीजुर रहमान' ने 1971 की जंग में पाक सेना का पूरा सहयोग किया था तथा बांग्लादेश में भारतीय सैन्य कार्रवाई का विरोध 'यूएनओ' के मंच पर जाकर किया था। 'रविंद्र नाथ टैगोर' द्वारा लिखित बांग्लादेश के कौमी तराना 'आमार सोनार बांग्ला' को हटाने की आवाज भी शाह अजीजुर रहमान ने ही बुलंद की थी। मगर बांग्लादेश के सैन्य प्रमुख 'हुसैन मोहम्मद इरशाद' ने सन-1982 में तख्तापलट को अंजाम देकर प्रधानमंत्री अजीजुर रहमान को सत्ता से बेदखल कर दिया था।

कुछ अलग

फिर यू टर्न

अब इसे गठबंधन सरकार की मजबूरी समझें या फिर विपक्ष का दबाव कि विवाद के बाद केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। दरअसल, निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों को शीर्ष सरकारी पदों पर लाने हेतु यह योजना बनी थी। बीते सालों में नौकरशाही में विशेषज्ञों को शामिल करने के कदम को प्रगतिशील सोच कहा गया। लेकिन चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते विरोध के स्वर मुखर हुए। विपक्षी दलों की तीखी आलोचना और राजग के कुछ सहयोगियों की चिंता के बाद सरकार ने योजना को स्थगित कर दिया। निश्चित रूप से शासकीय व्यवस्था में बड़े फैसले गंभीर परामर्श व सहयोग की मांग करते हैं। सत्ता के दंभ से इतर दूरगामी परिणाम वाली नीतियों को आगे बढ़ाने हेतु सभी हितधारकों से व्यापक बातचीत जरूरी होती है। दूसरे शब्दों में सरकार को अपनी इच्छा थोपने के बजाय गठबंधन राजनीति की जटिलताओं के मद्देनजर विपक्ष से सामंजस्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि पिछले दो कार्यकाल में स्वछंद शासन करने वाली मोदी सरकार फिलहाल गठबंधन की मजबूरी के साथ विपक्षी दबाव को भी महसूस कर रही है। पिछले दो सप्ताह में राजग सरकार ने विवाद के बाद न केवल वक्फ विधेयक पर निर्णय बदला बल्कि प्रसारण विधेयक को समीक्षा के लिये एक संसदीय पैनल के पास भेजा है। इसके बाद अब लेटरल एंट्री के फैसले पर यू टर्न ने यह निष्कर्ष भी दिया है कि राजग सरकार पर्याप्त बहुमत न होने पर अब गठबंधन की राजनीति की सीमाओं को स्वीकार करने लगी है। एक हकीकत यह भी है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस व इंडिया गठबंधन के सदस्य अभी भी तल्ख चुनावी तेवरों में नजर आ रहे हैं। खासकर ऐसे वक्त में जब हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और इसी साल महाराष्ट्र व झारखंड में भी चुनाव होने हैं। बहरहाल, केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक व प्रसारण विधेयक के बाद अब लेटरल एंट्री मामले में से हाथ खींचकर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि वह टकराव के बजाय बीच का रास्ता अपनाना चाहती है। उसने सतर्क रुख ही अपनाया है। कहा जाता रहा है कि लेटरल एंट्री प्रक्रिया हमारे संविधान में निहित समानता और न्याय के आदर्शों पर केंद्रित होनी चाहिए। इन भर्तियों में आरक्षण के प्रावधान न होने के मुद्दे का कांग्रेस, बसपा, सपा व राजद ने जोरदार तरीके से विरोध किया। उनकी दलील थी कि इस प्रक्रिया में सामाजिक न्याय की अवधारणा की अनदेखी की गई है। दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी द्वारा 24 केंद्रीय मंत्रालयों में सेक्रेटरी, डायरेक्टर व डिप्टी सेक्रेटरी जैसे पदों के लिये निकाले गए विज्ञापन के कुछ घंटों के बाद विपक्ष ने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिये थे। यहां तक कि राजग गठबंधन में शामिल एलजेपी ने भी इस फैसले को लेकर चिंता जतायी थी। विपक्षी दलों की दलील थी कि आरक्षण का प्रावधान न होने से वंचित समाज के हकों की रक्षा नहीं हो सकेगी। वहीं सरकार की दलील है कि लेटरल एंट्री का विचार कांग्रेस सरकार के दौरान 2005 में गठित प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों के बाद सामने आया था और यूआईडीएआई के प्रमुख समेत कई पदों पर विशेषज्ञों की सीधी भर्ती में आरक्षण प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था। दरअसल, मोदी सरकार में लेटरल एंट्री की प्रक्रिया वर्ष 2018 में आरंभ हुई थी।

देश दुनीया से

शिक्षा जगत के लिए चुनौतियां

आजादी के वक्त देश की आबादी 36 करोड़ थी, मगर साक्षरता सिर्फ 18 परसेंट। वहीं, महिलाओं के मामले में हालात और खराब थे। देश की आजादी के समय 9 परसेंट से भी कम महिलाएं पढ़ी-लिखी थीं। यानी 11 में से सिर्फ एक महिला पढ़-लिख सकती थी। आजादी के वक्त देश में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूल थे, आज देश में स्कूलों की संख्या बढक़र बीस लाख से ज्यादा हो गई है। इन स्कूलों में करीब 24 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। स्कूली शिक्षा में सरकार और निजी क्षेत्र ने भी बहुत निवेश किया है। हालांकि इन दिनों कई कारणों से देश के अनेक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, और हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के हिसाब से अपने बच्चों को पब्लिक यानी निजी स्कूलों में पढ़ाना चाहता है।

एक बार फिर हमने आजादी की सालगिरह मनाई। आजादी के बाद शिक्षा, खास तौर पर उच्च शिक्षा को लेकर हम कहां खड़े हैं, यह विचारना जरूरी है। शिक्षा राष्ट्र की समृद्धि का एकमात्र जरिया है। शिक्षा वो सूत्र है, जिसे देश के आजाद होते ही लीडरशिप ने समझ लिया और इस पर काम किया। आजादी के वक्त देश की आबादी 36 करोड़ थी, मगर साक्षरता सिर्फ 18 परसेंट। वहीं, महिलाओं के मामले में हालात और खराब थे। देश की आजादी के समय 9 परसेंट से भी कम महिलाएं पढ़ी-लिखी थीं। यानी 11 में से सिर्फ एक महिला पढ़-लिख सकती थी। आजादी के वक्त देश में सिर्फ डेढ़ लाख स्कूल थे, आज देश में स्कूलों की संख्या बढक़र बीस लाख से ज्यादा हो गई है। इन स्कूलों में करीब 24 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। स्कूली शिक्षा में सरकार और निजी क्षेत्र ने भी बहुत निवेश किया है। हालांकि इन दिनों कई कारणों से देश के अनेक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, और हर व्यक्ति अपने सामथ्र्य के हिसाब से अपने बच्चों को पब्लिक यानी निजी स्कूलों में पढ़ाना चाहता है। चिंता की बात यह भी है कि नई शिक्षा नीति में खास तौर से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार के प्रावधान की बातें बहुत हो रही हैं, लुभावनी योजनाएं बन रही हैं, लेकिन इसको लागू करने में अड़चनों को तुरंत दूर किया जाना जरूरी होगा। यह भी हो सकता है कि साधनों के अभाव एवं दक्ष-प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी के कारण हम नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। बेहतर हो कि नई शिक्षा नीति के जरिए मियारी स्कूली शिक्षा देने का हमारा लक्ष्य भटकना नहीं चाहिए। जहां तक उच्च शिक्षा का सवाल है, तो उच्च शिक्षा हर क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट के रास्ते खोलती है। आजादी के बाद अब तक बनी सरकारें जानती थी कि हायर एजुकेशन पर फोकस किए बिना ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में झंडे नहीं गाड़े जा सकते। इस पर भी बहुत काम हुआ है। आजादी के वक्त देश में सिर्फ 20 यूनिवर्सिटीज और 404 कॉलेज थे। आज इनकी संख्या में कई गुना इजाफा हो चुका है। अतीत में हायर एजुकेशन में क्वांटिटी पर ज्यादा और क्वालिटी पर फोकस कम रहा है। आज भी थोक के भाव से यूनिवर्सिटीज खुली हैं, मगर पढ़ाई अच्छी नहीं हो रही है। कुछ इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थिति और भी बुरी है। निजी संस्थाओं और उद्यमियों ने कॉलेज तो खोल दिए हैं, मगर कई जगह फैकल्टी अच्छी नहीं रखी जा रही है। कई संस्थानों में अच्छी लैब्स भी नहीं हैं। आज हमारे सामने सैकड़ों निजी इंजीनियरिंग कॉलेज ऐसे भी हैं जहां फीस निजी स्कूलों से कम है। हालांकि स्कूली शिक्षा में कई जगह निजी क्षेत्र ने अच्छा काम किया है, मगर हायर एजुकेशन में अभी बहुत काम होना बाकी है। वर्तमान में हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो धीरे-धीरे ग्लोबल व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। इस समय सभी शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी ज्यादा है, जिन्हें इस दिशा में अभी काफी काम करना है। शिक्षण संस्थाओं के प्रसार की दिशा में भले ही हम प्रगति कर रहे हों, लेकिन यह साफ है कि शिक्षा डिजिटल तकनीक माध्यम से देने में हम असफल रहे हैं। आने वाले समय में विकसित भारत को निर्मित करने का मुख्य आधार शिक्षा ही है। इसके लिए हमें आधुनिक शिक्षा एवं शिक्षकों को समग्र दृष्टि से परिपक्व बनाना होगा, तभी शिक्षा की कमियां दूर हो सकेंगी। हमें अपने छात्रों को सिर्फ भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। हमें यह देखना होगा कि देश के छात्र दुनिया में कहीं भी काम करने के योग्य हों। यह कैसे संभव हो सकेगा? इस बार की आजादी की इस वर्षगांठ पर हमारा शिक्षा जगत और सरकारें इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करें। शिक्षा में गुणवत्ता का होना जरूरी है। इसके लिए हमें शिक्षकों को अध्यापन से इतर कार्यों से विमुक्त करना होगा। अभी तक अध्यापकों की ड्यूटी चुनावी कार्यक्रमों के निपटान, मिड डे मील का प्रबंधन, सर्वेक्षण कार्यों तथा कई और सरकारी कार्यों के निपटान में लगाई जा रही हैं। इससे अध्यापकों के समक्ष यह संकट उत्पन्न हो जाता है कि सिलेबस का अध्यापन पूरी तरह कैसे करवाया जाए। वैसे शिक्षा केवल सिलेबस के अध्यापन तक सीमित विषय नहीं है। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को इस काबिल बनाना है कि वह अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए आजीविका का प्रबंध कर सके, और साथ में शिक्षा का मतलब यह भी है कि इसे ग्रहण करने के बाद शिक्षार्थी सच को सच तथा झूठ को झूठ बोलने की हिम्मत दिखा सके। शिक्षा का लक्ष्य छात्र को एक कंपलीट पर्सन बनाना होता है। छात्र का नैतिक कल्याण और उसमें मानवीय सद्गुणों का प्रत्यारोपण भी शिक्षा का लक्ष्य है। इस काम को छात्रों, अभिभावकों तथा अध्यापकों के आपसी सहयोग से पूरा किया जा सकता है। सद्गुण संपन्न नागरिक बनाना ही शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। शिक्षा जगत के लिए एक चुनौती यह भी है कि निजी शिक्षण संस्थानों की उपयोगिता को स्वीकार तो किया जाए, लेकिन इनके कारण शिक्षा इतनी महंगी न हो जाए कि आम छात्र, गरीब छात्र तक इसकी पहुंच ही न हो। महंगी शिक्षा के कारण गरीब छात्रों का शिक्षा से वंचित रह जाना भारतीय शिक्षा जगत की एक बड़ी चुनौती है।

आप का नजरीया

होना तख्ता पलट मुझ बाप का

असल में जो अपने को गलतफहमी में सबका बाप समझता इतराता रहता है, अंततः उसका यही हर्ष होता है या कि ऐसा कहें बापों के ही तख्ते पलट होते हैं। वोट के बदले फ्री की रोटी तोडने वालों के क्या तख्ते पलट होंगे? इसलिए जो अपना तख्ता पलट होने से डरते हों, प्लीज वे सब कुछ बनें, पर कभी बाप न बनें। तो लीजिए साहब! मुझे पता भी नहीं चला और कल मेरा भी तख्ता पलट हो गया। ऐसा नहीं कि मैंने बाप होने के बाद किसी के लिए कुछ नहीं किया, पर उसे मेरा बाप धर्म कह किनारे कर दिया गया। जितना मुझसे हो सकता था, बाप होने के नाते सब किया। इधर उधर झूठ कहा, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। ऑफिस में सिर नीचा किए सौ सौ लिए हाथ फैलाए, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। ऑफिस में लंच में खाने को सूखी चपातियां ले गया, किसके लिए? झूठा बाप बने रहने के लिए। तख्ता पलट होने से पहले उनकी तरह मुझे भी कतई खबर नहीं हुई कि उनकी तरह मेरा भी भीतर ही भीतर तख्ता पलटने की योजना पर काम हो रहा है। कि मेरे हर घर के हर कल्याणकारी काम में सबको मेरी तानाशाही बदबू नहीं बदबू आ रही है। तख्ते हर किस्म के बापों के पलटते रहे हैं। मसलन, राजनीतिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। साहित्यिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। धार्मिक बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। बापों के बापों के तख्ते पलटते रहे हैं। और आगे कहूं तो कुंआरे बापों के भी तख्ते पलटते रहे हैं। ऐसे में घर के बापों के तख्ते पलटना कोई नई बात नहीं। यहां तो कई बार तो बाप का तख्ता पलटे बिना ही घर के बाप तक बदल जाते हैं। ऐसे में शुक्र मनाना चाहिए उस बाप को जिसका केवल तख्ता ही पलट हो। कम से कम उसे तो नहीं पलटा गया। किसी का तख्ता पलटने वाले बाहर के दुर्जन नहीं होते, घर के ही सज्जन होते हैं। किसी की नाक काटने को बाजार वालों के पास उतनी पैनी चाकू छुरी नहीं होते जितने अपने ही घर के सदस्यों के पास होते हैं। बाजार वालों को किसी की नाक की हड्डी की मजबूती का पता नहीं होता, अपनों को ही अपनों की नाक की हड्डी की मजबूती का सीक्रेट होता है। उनका तख्ता पलट हुआ तो उन्हें देश से निकलने के लिए जिस तरह पचास मिनट दिए गए, उसी तरह मेरा तख्ता पलट होने पर मुझे भी कायदे से मेरा सम्मान बरकरार रखते हुए पचास मिनट दिए गए, ताकि मेरा कद भी उनके कद जितना ही रहे। मेरा तख्ता पलटते ही श्रीमती का आदेश हुआ कि मैं जैसे भी हो, मैं उनकी तर्ज पर पचास मिनट में इस घर को छोड़ जाऊं तो तख्ता पलटे ने दोनों हाथ जोड़े कहा, 'वे देश की मुखिया थीं। इसलिए उनको तत्काल हैलिकॉप्टर मिल गया देश से बाहर जाने को, पर मेरे पास तो किसी ऑटो वाले का नंबर भी नहीं। ऐसे में?' 'देखो! मुझे तुमसे अटैचमेंट है, बस, इसीलिए कह रही हूं। वर्ना यहां अब और रुके तो...। घर की सारी हवा बिल्कुल तुम्हारे खिलाफ है। तुम अब इस घर के लिए विकास का नहीं, विनाश का कारण बन चुके हो। किसी को मनमानी नहीं करने देते। सबकी हां में अपनी न अड़ाते हो', चालीस साल से वेतन का पूरा हिसाब लेने वाली धर्मपत्नी ने मुझसे सहानुभूति जताते कहा तो मैंने एक बार फिर सबको संभालने के इरादे से कहा, 'वह तो उसी दिन से मेरे पक्ष में नहीं थी जिस दिन से मैंने इस घर के मुखिया का गधभार अपनी मर्जी से अपनी पीठ पर लिया था।

पंजाब में किसान भाजपा से खुश

चंद किसान नेता अपना पेट भरने के लिए चला रहे यह प्रोपेगेंडा : बिट्टू

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि पूरे देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है कि पंजाब में किसान भाजपा से नाराज हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं है। पंजाब में किसान भाजपा से खुश है। लेकिन चंद किसान लीडर अपना पेट भरने के लिए यह प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। ये लोग किसानों को गुमराह कर रहे हैं। पंजाब में लोकसभा चुनावों में भाजपा को 19 प्रतिशत वोट मिले, मतलब 25 लाख लोगों ने भाजपा को वोट किया। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। वहीं 2027 में पंजाब में भी भाजप सरकार बनाएगी। राजस्थान से राज्यसभा उम्मीदवार के तौर पर नामांकन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि पहले किसान नेता कहते थे कि हमें दिल्ली में नहीं आने दिया जा रहा हैं। वो ही किसान नेता दिल्ली भी आए। देश की संसद तक भी पहुंचे, राहुल गांधी के दफ्तर में बैठकर उनसे मुलाकात भी की। यह गलत भ्रम फैलाया जा रहा है कि उन्हें दिल्ली नहीं आने दिया जा रहा हैं। अगर कोई भी आदमी बम, पत्थर, कृपाण और हथियार लेकर आएगा तो उसे रोका जाएगा। वो राजस्थान से भी जाएगा तो उसे भी रोका जाएगा। लेकिन दिल्ली आने से किसी को भी नहीं रोका गया हैं। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने कहा कि पंजाब और हरियाणा में हर फसल पर एमएसपी है। फसल का हर दाना सरकार खरीदती हैं। अकेले गेहूं और चावल पर 70 हजार करोड़ की एसएमपी सरकार दे रही हैं। इसमें गन्ना और कपास को शामिल कर लिया जाए तो एक साल में एक लाख करोड़ सरकार एमएसपी पर खर्च कर रही हैं। लेकिन किसान लीडर किसानों को गुमराह कर रहे है। आज पंजाब में हालात है कि वहां कोई भी नेशनल प्रोजेक्ट नहीं चल रहा हैं। किसान स्टेट हाइवे, एयरपोर्ट और रेलवे ट्रैक के लिए जमीन देना चाहता है। लेकिन किसान लीडर उन्हें ऐसा नहीं करने देते है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में लगभग सभी नेशनल प्रोजेक्ट रूके हुए हैं। वहां सभी तरह का बिजनस ठप्प हो चुका है। उद्यमी फैक्ट्रियां बंद करके जा रहे हैं। राजस्थान से नामांकन के बाद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि राजस्थान का यह कर्ज मेरे ऊपर रहेगा। मैं राजस्थान और पंजाब की पगड़ी पर कभी कोई दाग नहीं लगने दूंगा। राजस्थान से दूसरी पार्टियों ने प्रत्याशी खड़ा नहीं किया यह भाजप की बहुत बड़ी जीत है। पंजाब मेरी जन्मभूमि और कर्म भूमि दोनों रहे हैं और राजस्थान भी मेरी कर्म भूमि हो गई है। मेरे पास जो भी मंत्रालय हैं। उनमें राजस्थान के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। राजस्थान में बड़ी मात्रा में फसलों की पैदावार होती है। उन फसलों की ब्रांडिंग करना, उनकी प्रोसेसिंग करना मेरे मंत्रालय के जिम्मे है। ऐसे में मंत्रालय की जो भी योजनाएं हैं, उनका लाभ राजस्थान के छोटे शहरों और गांव-गांव तक पहुंचाने का काम हम शुरू करेंगे।

सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी पर पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ को नोटिस

चंडीगढ़(हिंस)। स्कूलों में विद्यार्थियों को सुरक्षित वाहन सुविधा मुहैया करवाए जाने के मुद्दे पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को पंजाब, हरियाणा की सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। इस केस की अगली सुनवाई 24 अक्टूबर को होगी तब तक दोनों राज्यों की सरकारें तथा केंद्र शासित प्रदेश स्कूली वाहनों का रिव्यू करेंगे। कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले सभी को जवाब की प्रति की कॉपी कोर्ट मित्र को देने का भी आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने सरकारों को सुरक्षित वाहन नीति के तहत सभी स्कूली बसों में सीसीटीवी कैमरे, स्पीड गवर्नर और हाइड्रॉलिक दरवाजों का प्रावधान करने का आदेश दिया था। कोर्ट राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि स्कूल वाहन नीति के तहत बस स्टाफ को बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम की ट्रेनिंग दी जा सकती है या नहीं, इस पर विचार करें। इसके लिए गैर सरकारी संगठनों की सेवा भी ली जा सकती है। इससे पहले बैंच ने हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ को विस्तृत हलफनामा दायर करने का आदेश देते हुए कहा था कि कोर्ट को बताएं कि राज्य में कितनी स्कूल बसें चल रही हैं।

विस चुनाव में प्रत्याशियों की हर चुनावी खर्च गतिविधियों की होगी वीडियोग्राफी

रेवाड़ी (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हरियाणा विधानसभा आम चुनाव में प्रत्याशियों की हर चुनावी गतिविधियों की वीडियोग्राफी होगी और वीडियोग्राफी का भी वीडियो वीविंग टीम द्वारा बारीकी से अवलोकन किया जाएगा। उपायुक्त एवं जिला जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा द्वारा नोडल अधिकारी के नेतृत्व में जिला की तीनों विधानसभाओं बावल, कोसली व रेवाड़ी के लिए अलग-अलग वीडियो वीविंग टीम का भी गठन किया है जो वीडियो का बारीकी से अवलोकन करेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अभिषेक मीणा द्वारा बुधवार को जारी किए गए आदेशानुसार बावल विधानसभा क्षेत्र के लिए एमई एमसी धारूहेड़ा सत्यप्रकाश, एमई एमसी बावल सुनील कुमार व जेई एचवीपीएन सतीश कुमार, कोसली विधानसभा क्षेत्र के लिए एडीओ एएससीओ कार्यालय रेवाड़ी, जेई एचएसएएमबी रेवाड़ी आशुतोष, लिपिक बीडीपीओ नाहड़ कुलदीप सिंह तथा तथा रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए एसडीई विजिलेंस सब डिविजन रेवाड़ी, विशाल हुड्डा, लेखाकार डीएफएससी रेवाड़ी सुखपाल व जेई एचएसवीपी रेवाड़ी रोहित कुमार की वीडियो सर्विलांस टीम का गठन किया गया है। उक्त सभी सर्विलांस टीमें चुनाव प्रक्रिया के दौरान रैलियों, जनसभा और रोड शो व अन्य किसी प्रकार के चुनावी कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी करवाएंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा चुनावी जनसभा-रैलियों व रोड शो आदि का आयोजन किया जाना है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चुनाव में होने वाले प्रत्येक खर्च का हिसाब रखा जाएगा और वह चुनावी खर्च में जुड़ेगा। इसी के चलते प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न वीडियो टीमों का गठन किया है तो प्रत्याशियों द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की वीडियोग्राफी करेंगी, जिसमें कुर्सी, पंडाल, मंच और वहां पर दिए जाने जलपान आदि की वीडियोग्राफी करेंगी, जिससे खर्च का पता चल सके। उन्होंने बताया कि चुनावी रैली व जनसभा और रोड शो आदि की वीडियोग्राफी का भी बारीकी से अवलोकन किया जाएगा ताकि सभी प्रकार का खर्च का पता चल जाए।

जयपुर के अंकित जैन ने वियतनाम में किया भारत का प्रतिनिधित्व

जयपुर (हिंस)। कृषि विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान निभाने के लिए जयपुर निवासी अंकित जैन को वियतनाम में अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। वियतनाम के कैंथो शहर में आयोजित ग्लोबल यूथ समिट 2024 में अंकित ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। स्टार्टअप ईएफ पॉलीमर के को फाउंडर अंकित जैन अपने विशिष्ट उत्पाद फसल अमृत के लिए जाने जाते हैं। यह फसल उत्पादन बढ़ाने और जल उपभोग को कम करने में किसानों के लिए बेहद मददगार साबित हुआ है। इसके उपयोग के लिए 5 देशों के साथ एमओयू भी साइन किया गया हैं। अंकित जैन ने बताया कि फसल अमृत के जरिए राजस्थान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों सहित चार की मौत

टौंक (हिंस)। जिले के उनियारा थाना क्षेत्र के मोहम्मद गढ़ गांव में चार युवकों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसे का शिकार होकर जान गंवाने वालों चारों युवक मूल रूप से रघुनाथपुरा खुर्द के रहने वाले थे। भैंस को पानी से निकालने और एक-दूसरे के बचाने के चक्कर में चारों की जान चली गई। उनियारा थाना प्रभारी धर्मेंद्र दायमा बताया कि मरने वालों में दो सगे भाई है। विजय (16) पुत्र रामनिवास, विकास (18) पुत्र रामनिवास बैरवा, हंसराज (16) पुत्र श्योजी लाल और दिलकुश (18) पुत्र श्योजी लाल बैरवा निवासी रघुनाथपुर खुर्द बुधवार को मोहम्मद गढ़ तालाब के पास भैंसों को चराने के लिए गए हुए थे। तभी अचानक भैंसों को गहरे पानी में जाते देख एक युवक पानी में कूद गया। जिसे बचाने के चक्कर में एक के बाद एक तीन युवक तालाब में कूद गए। गहरे पानी में फंसे युवकों की चीख पुकार सुनकर भागचंद, दीपक व कालू बैरवा मौके पर पहुंचे और उन्होंने जैसे-तैसे कर उनको बाहर निकाला। लेकिन शरीर में पानी अत्यधिक मात्रा में जाने के कारण चारों युवक बच नहीं पाए। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की सहायता से उन्हें चिकित्सालय में लाया गया। जहां चिकित्सक लेखराज मीणा ने चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने चारों के शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखवाया है।

क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से नाराज बहुजन समाज पार्टी व आजाद समाज पार्टी का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

गाजियाबाद (हिंस)। क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से नाराज बहुजन समाज पार्टी व आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान इन लोगों ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कलक्ट्रेट के आसमान जाम भी लग गया। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। किसी भी आशंका के मद्देनजर कलक्ट्रेट पर भारी पुलिस बंदोबस्त किए गए थे। समाज पार्टी सुप्रीमो बहन मायावती के आदेश पर आज बसपाईयों ने शक्ति प्रदर्शन प्रदर्शन किया। पार्टी की ओर से भारत बंद का आव्हान किया गया था। क्रीमी लेयर को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से नाराज बसपाई इस संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च निकाला और प्रदर्शन के बाद ज्ञापन भी सौंपा। बसपाई ने यह मार्च अपने आरडीसी स्थित जिला कार्यालय से निकाला। आरडीसी और कचहरी की ओर जाने वाले लोगों को बसपा के मार्च के चलते जाम जैसे परेशानी से जूझना पड़ा। अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। इससे पहले बसपा के जिला अध्यक्ष दयाराम सैन के नेतृत्व में कार्यालय पर एकत्र हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में पैदल ही आरडीसी होते हुए कलक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन में मुख्य रूप से रवि जाटव, वरिष्ठ नेता पंकज शर्मा, गंगा शरण बबलू, बाबूलाल सेन, प्रमोद सागर, मुनव्वर चौधरी और ओमवीर, नरेंद्र मोहित समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। बसपा जिलाध्यक्ष दयाराम सेन ने बताया कि बहन मायावती ने मार्च पूरी ताकत और अनुशासन में रहकर निकालने की अपील की है। बहनजी का एक -एक सिपाही अनुशासन में रहेगा और अपने हक की आवाज बुलंद करेगा। मार्च बहुत ही शांति पूर्ण ढंग से कलेक्ट्रेट पहुंचेगा, जहां जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होंने अपील की है कि सभी कार्यकर्ता सुबह दस बजे पार्टी कार्यालय पर एकत्र हों। बसपा जिलाध्यक्ष दयाराम सेन ने बताया कि पार्टी किसी को अपना प्रतिष्ठान बंद करने के लिए बाध्य नहीं कर रही है। यह काम व्यापारियों के विवेक पर रहेगा। व्यापारियों की ओर से पार्टी को समर्थन प्राप्त है।

कानपुर में नहीं दिखा भारत बंद का असर बसपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

कानपुर (हिंस)। आरक्षण मुद्दे पर भारत बंद का असर कानपुर नगर में बेस असर दिखाई दिया। सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल मुस्तैदी से तैनात रहा। पुलिस की अधिकारी हर पल अपडेट लेते रहे। हालांकि बसपा के कार्यकर्ता वाहनों में सवार होकर शहर में स्थित कंपनी बाग चौराहे के समीप प्रदर्शन किया। लेकिन शहर में सभी दुकानें खुली रही और वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चलते नजर आए। पुलिस उपायुक्त मध्य दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि आरक्षण बचाओ संविधान बचाओ रैली व भारत बंद को लेकर पुलिस तैनात किया गया था। रैली में शामिल होने वाली भीड़ और ड्यूटियों को चेक करते हुए व्यवस्था का जायजा लिया। हालांकि बहुत अधिक भीड़ रैली में नजर नहीं आई। शहर में दुकानें खुली रही और वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चलते रहे। नवाबगंज स्थित कंपनी बाग चौराहे पर बसपा के कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाओ और एससी एसटी आरक्षण की बहाली का नारा लगाते हुए प्रदर्शन किया।

आईसीएफएफ : 21 देशों की 55 फिल्मीं कहानियां निःशुल्क देखेंगे हजारों बच्चे

जयपुर (हिंस)। साल 2018 से हर साल आयोजित होने वाले 7वें आर्यन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ जयपुर और सिक्सटीन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स का आयोजन 28 से 30 अगस्त तक जयपुर के आठ स्कूल्स के ओडिटोरियम्स में बच्चों के लिए निःशुल्क किया जाएगा। फेस्टिवल्स के फाउंडर डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि इन फेस्टिवल्स में 50 देशों की 600 फिल्मों में से इंटरनेशनल जूरी द्वारा चयनित 21 देशों की 55 फिल्में स्कूल्स के बच्चे देखेंगे। उद्देशय फिल्मों से बाल मन के बहुआयामी व्यक्तितत्व को निखारना है। हनु रोज बताते हैं कि फिल्मों के चयन के दौरान विशेष रूप से उन मनोवैज्ञानिक तथ्यों का भी ध्यान रखा गया है जिनकी हम अक्सर अनदेखी करते हैं। चयन में उन शोधों को भी महत्व दिया गया है जिनके तहत विभिन्न दृष्टिकोणों को समझा गया है, जहां कुछ लोग कहते हैं *नहीं* और दूसरे कहते हैं *हां* । चयनित फिल्मे बच्चों के मस्तिष्क को विकसित करने, उनकी जिज्ञासा और ज्ञान की भूख को बढ़ाने, सवाल पूछने की आदत को प्रेरित करने, उनकी क्षमता को पहचानने में सहायक, हंसाने, रुलाने और गुदगुदाने वाली फिल्मों का संग्रह है। दिखाई जाने वाली सभी फिल्मे फेस्टिवल में कॉम्पिटीशन का हिस्सा हैं। फेस्टिवल के पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी के दौरान विजेता फिल्मों और फिल्मकारों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इस बार फेस्ट के आठ स्कूल्स वेन्यू पार्टनर हैं जिनमें रावत पब्लिक स्कूल प्रतापनगर, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल प्रतापनगर, डॉल्फिंस हाई स्कूल प्रतापनगर, महाराजा भवानी सिंह स्कूल महल योजना, रायन इंटरनेशनल स्कूल मानसरोवर, सुबोध पब्लिक स्कूल रामबाग, स्नेह पब्लिक स्कूल मुहाना और कलर्स इंटरनेशनल स्कूल नारायण विहार के साथ साथ इस बार सिनेमा ऑन व्हील्स पर ट्रैवलिंग सिनेमा से स्कूल्स के बच्चे विश्व सिनेमा देखेंगे और सिनेमा हॉल की ही तरह फिल्में देखने का आनंद लेंगे। सिनेमा ऑन व्हील्स से मतलब है एक ट्रक में सिनेमा हॉल। ये सिनेमा खुद स्कूल्स तक पहुंचेगा। फेस्टिवल में आमंत्रित स्कूल्स के बच्चे फिल्में देख सकेंगे साथ ही जो स्कूल फेस्टिवल के वेन्यू हैं उन स्कूल से संपर्क करके अन्य स्कूल्स के बच्चे फिल्में देख सकते हैं। फेस्टिवल्स में विभिन्न विषयों पर आधारित देश विदेश के ख्यातनाम फिल्मकारों से लेकर डेब्यू डायरेक्टर्स की रिलीज्ड फिल्मों की स्क्रीनिंग के साथ वर्ल्ड प्रीमियर भी होगा। ऑस्कर विजेता फिल्मकारों की तरफ से डाक्यूमेंट्री पिंक बेल्ट (जॉन मैकक्राइट द्वारा निर्देशित) तो वहीं सलीम अख्तर द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म दाल रोटी का रिलीज से पहले पहला शो होगा। फेस्टिवल में सभी श्रेणियों शार्ट और लॉन्ग, फिक्शन और नॉनफिक्शन फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। फेस्टिवल की ओपनिंग सेरेमनी 28 अगस्त की सुबह 11 बजे रावत पब्लिक स्कूल की सहभागिता से निर्मला ऑडिटोरियम जयपुर में होगी।

भारत बंद का राजस्थान में मिलाजुला असर, स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी

जयपुर (हिंस)। अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में कई संगठनों ने बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया है। बंद का मिलाजुला असर राजस्थान के कई जिलों में देखा जा रहा है। जयपुर, अजमेर, सवाई माधोपुर, सीकर में भी सभी बाजार, स्कूल बंद हैं। पाली में समिति की टीमों ने जबरन दुकानें बंद करवाई। अलवर में रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा हैए इसके चलते यात्री परेशान है। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी संघर्ष समिति के लोगों से समझाइश कर रहे हैं। सभी से अपील की गई है कि वे प्रदर्शन व रैली को शांतिपूर्ण रखें। इससे पहले मंगलवार को ही 16 जिलों में आज के लिए स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई थी। भरतपुर में सुबह नौ से शाम छह बजे तक इंटरनेट भी बंद रहेगा। बंद के आह्वान पर भाजपा नेता किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हैं। कुछ लोग एससी-एसटी को गुमराह कर राजनीतिक रोटियां सेंक रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने बंद की सफलता के लिए 25 टीमें भी बनाई हैं। बंद के चलते जयपुर, सीकर, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर, डीग, जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर, टोंक, भीलवाड़ा, नीमकाथाना, कोटा, श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़ और भरतपुर में स्कूल-कॉलेजों के साथ समस्त शैक्षणिक संस्थाओं में आज छुट्टी की घोषणाा की गई है। कोटा, शेखावाटी और मत्स्य यूनिवर्सिटी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई। भरतपुर में संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा के निर्देशानुसार सुबह नौ से शाम छह बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा। गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम में सरकारी स्कूल विशनपुरा के 12 टीचरों ने सीबीईओ (टोडाभीम) को सामूहिक एप्लीकेशन देकर 21 अगस्त की छुट्टी मांगी है। उन्होंने भारत बंद का समर्थन करने के लिए छुट्टी चाही है। कोटा के साथ ही जयपुर ग्रामीण के फुलेरा, चंदवाजी, रेनवाल और अचरोल में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। अलवर जिले में बंद का असर है। शहरी इलाकों में सुबह से ही संघर्ष समिति की टीमें बाजार बंद करवा रही हैं। अलवर से रोडवेज बसों का संचालन बंद होने से लोगों को परेशानी हो रही है। पाली में भी बंद का असर है। अजमेर में सुबह से ही बंद का असर देखने को मिला। बंद को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन भी अलर्ट है।

नीतीश कैबिनेट में 31 प्रस्तावों पर मुहर

अटल की पुण्यतिथि 16 अगस्त को पटना में मनाने का फैसला

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को संपन्न हुई मंत्रिमंडल की बैठक में भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि हर साल 16 अगस्त को पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनाने समेत कुल 31 प्रस्तावों पर मुहर लगी। भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी की पुण्यतिथि हर साल 16 अगस्त को पटना में राजकीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा। नीतीश कैबिनेट में इसे लेकर फैसला लिया गया है। महिलाओं को होने वाली सर्वाइकल कैंसर बीमारी से बचाव के लिए 9 से 14 साल की उम्र की बच्चियों को ह्यूमन पेपिलोमा वायरस टीका लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री बालिका कैंसर प्रतिरक्षण योजना को स्वीकृति दी गयी। गृह विभाग ने राज्य के विभिन्न जेलों में कारा एवं अस्पताल प्रबंधन के लिए कारा चालक-1 के कुल 67 अतिरिक्त पदों के सृजन की स्वीकृति दी है। नीतीश कैबिनेट ने कृषि विभाग, खेल विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, श्रम संसाधन विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, पथ निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, विधि विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग, वित्त विभाग, गृह विभाग, श्रम संसाधन विभाग और मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग से जुड़े कुल 31 प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पटना सदर अंचल को 4 अंचलों में विभाजित करने का बड़ा फैसला कैबिनेट में लिया गया है। पटना सदर अंचल, पाटलिपुत्र अंचल, पटना सिटी अंचल एवं दीदारगंज अंचल को सृजित करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दी गई है। पटना सदर अंचल को 4 भागों में बांटा गया है। खेल विभाग के जिला स्तर पर विभिन्न कोटि के 466 अतिरिक्त पदों के सृजन को स्वीकृति मिली है। साथ ही राजगीर में निर्माणाधीन राज्य खेल अकादमी एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक के क्रिकेट स्टेडियम के सुगम संचालन के लिए विभिन्न कोटि के कुल 33 पदों पर संविदा पर बहाली होगी। सहरसा न्यायमंडल में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के एक पद के सृजन की स्वीकृति दी गयी। स्थानीय नगर निकाय के कर्मियों को सप्तम वेतन पुनरीक्षण का लाभ मिलेगा। पटना हाईकोर्ट की स्थापना शाखा में आईटी संवर्ग में प्रोग्रामर के दो पदों का सृजन किया गया है। राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों में अंग्रेजी, भौतिकी एवं गणित विषय के लिए सहायक प्राध्यापक के पूर्व से सृजित 273 पदों के अतिरिक्त सहायक प्राध्यापक के 116 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी। राजकीय पोलिटेक्निक या राजकीय महिला पोलिटेक्निक संस्थानों में अंग्रेजी, भौतिकी, रसायनशास्त्र एवं गणित विषय के अंतर्गत पूर्व से सृजित व्याख्याता के कुल 284 पदों के अतिरिक्त व्याख्याता के कुल 131 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई जबकि लघु जल संसाधन विभाग पटना मुख्यालय के लिए 3 ड्राइवर पदों के सृजन की स्वीकृति मिली है।

कन्नौज रेप प्रकरण में पीड़ित लड़की की बुआ गिरफ्तार

कन्नौज (हिंस)। जनपद की बहुचर्चित नवाब सिंह यादव रेप कांड मामले में फरार आरोपी बुआ को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से मिले तमाम साक्ष्यों के साथ पुलिस उसे बुधवार को कोर्ट में पेश करेगी। लड़की की बुआ से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने स्वीकारा कि आरोपित नवाब सिंह के भाई ने पैसे का लालच देकर के बयान बदलने के लिए कहा। कई बड़े नेताओं के नाम भी लेने के लिए कहा ताकि यह घटना एक साजिश नजर आए। पिछले 7 दिन से बुआ फरार थी 10 दिन पहले पुलिस ने रेप के आरोपी पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं समाजवादी पार्टी के नेता नवाब सिंह को गिरफ्तार किया था। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बुधवार को रेप के आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं समाजवादी पार्टी के नेता नवाब सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, लड़की की बुआ की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी थी।

कड़ी सुरक्षा के बीच सिपाही भर्ती परीक्षा संपन्न 6522 परीक्षार्थियों में 2452 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

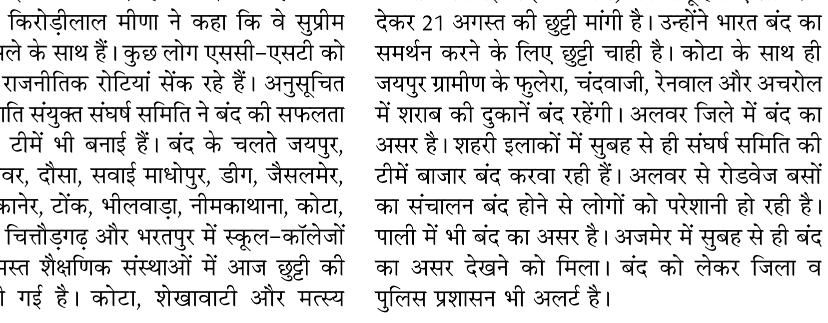

गोपालगंज (हिंस)। केंद्रीय चयन परिषद द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा को लेकर जिला पदाधिकारी मो मकसूद आलम एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बुधवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुखीराम उच्च विद्यालय थावे का निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी द्वारा कुछ कमरों में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने पर केंद्र अधीक्षक को लाइट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया, परीक्षा सुचारू रूप से चल रही थी। इस क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय प्रकाश राय और जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम कुमार कुंदन मौजूद रहे। इसके साथ ही इस्लामिया उर्दू अकादमी मीरगंज का निरीक्षण किया। प्रतिनियुक्ति जिला पंचायती राज पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार और जिला कल्याण पदाधिकारी रविंद्र कुमार दास उपस्थित रहे। सिपाही भर्ती परीक्षा के लिए जिले में 9 परीक्षा केंद्र बनाए गए है, जिस पर 4070 परीक्षार्थियों का कड़ी सुरक्षा एवं निगरानी में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। एसएस बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में 1200 परीक्षार्थियों में 762 उपस्थित और 438 अनुपस्थित रहे, डीएवी उच्च माध्यमिक विद्यालय में 900 परीक्षार्थी में 557 उपस्थित एवं 343 अनुपस्थित रहे। एम एम मेमोरियल उर्दू उच्च विद्यालय 850 परीक्षार्थी में 490 उपस्थित और 360 अनुपस्थित, भी एम इंटर कॉलेज में 724 परीक्षार्थी में 452 उपस्थित और 272 अनुपस्थित रहे। वहीं परीक्षा केंद्र डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद उच्च विद्यालय हथुआ में 720 परीक्षार्थियों में 453 उपस्थित और 267 अनुपस्थित, मुखीराम उच्च विद्यालय थावे 600 परीक्षार्थी में 380 उपस्थित और 220 अनुपस्थित, साहू जैन बालिका उच्च विद्यालय मीरगंज में 528 परीक्षार्थी जिसमें 323 उपस्थित और 205 अनुपस्थित, इस्लामिया उर्दू अकादमी मीरगंज 500 परीक्षार्थी में 330 उपस्थित और 170 अनुपस्थित और शिव प्रताप उच्च विद्यालय हथुआ केंद्र पर 500 परीक्षार्थी में 323 उपस्थित और 177 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार आज की परीक्षा में 6522 परीक्षार्थियों में 4070 परीक्षार्थी उपस्थित रहे और 2452 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बुधवार को भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और भारती इंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने यहां मुलाकात की।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारती इंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल और उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल ने नार्थ ब्लॉक स्थित (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि सुनील भारती मित्तल भारती इंटरप्राइजेज के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो भारत के अग्रणी दूरसंचार, बीमा, रियल एस्टेट, कृषि और खाद्य के अलावा अन्य उपक्रमों में विविध कंपनियों का समूह हैं। समूह की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल दुनिया की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनियों में से एक है, जो भारत, दक्षिण एशिया और अफ्रीका में करीब 456 मिलियन से ज्यादा ग्राहकों को मोबाइल, फिक्स्ड ब्रॉडबैंड और डिजिटल टीवी समाधान सेवा प्रदान करती है।

रामको सीमेंट्स के प्रबंध निदेशक ने वित्त मंत्री से की मुलाकात

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (एमडी) पीआर वेंकटराम राजा ने बुधवार को मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि रामको सीमेंट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पीआर. वेंकटराम राजा ने राजधानी नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक (वित्त मंत्रालय) में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। हालांकि, इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत का ब्यौरा नहीं मिला है। उल्लेखनीय है कि रामको सीमेंट्स लिमिटेड (रामको) भारत में अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक प्रमुख कंपनी है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में पोर्टलैंड सीमेंट, साधारण पोर्टलैंड सीमेंट, क्लिंकर, तैयार मिक्स कंक्रीट, प्लास्टर, वॉल पुट्टी, टाइल एडहेसिव और ड्राई मोर्टार उत्पाद शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

प्रह्लाद जोशी आज बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी गुरुवार, 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे। यह इलेक्ट्रिक वाहन परीक्षण सुविधा उद्योग को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद वेंकटेश जोशी 22 अगस्त को बेंगलुरु में राष्ट्रीय परीक्षण गृह (एनटीएच) आरआरएसएल कैंप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा की आधारशिला रखेंगे। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करने और ईवी बैटरी और चार्जर परीक्षण जैसे आगामी क्षेत्रों में परीक्षण सुविधाएं खोलने के लिए आरआरएसएल जक्कुर परिसर कर्नाटक के बेंगलुरु में एक सैटेलाइट सेंटर खोला जा रहा है। मंत्रालय ने बताया कि बेंगलुरु यह नई ईवी परीक्षण सुविधा इलेक्ट्रिक वाहनों के विकासशील पारिस्थितिकी तंत्र को और बढ़ाएगी और ईवी उद्योग को महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करेगी और ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी में पर्यावरणीय स्थिरता और नवाचार के व्यापक लक्ष्यों में योगदान देगी। गौरतलब है कि आरआरएसएल, बेंगलुरु, वजन और माप उपकरणों के परीक्षण और अंशांकन के लिए कानूनी माप विज्ञान (वजन और माप) की क्षेत्रीय मानक संदर्भ मानक प्रयोगशालाओं में से एक है।

एनसीएलटी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को दी मंजूरी

मुंबई। राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के शेयर बाजारों से हटने के आवेदन को बुधवार को मंजूरी दी। एनसीएलटी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के शेयरों की बाजार से हटने की व्यवस्था योजना को मंजूरी दे दी। व्यवस्था के तहत आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज (आईएसईसी) के शेयरधारकों को उनके प्रत्येक 100 शेयर के बदले आईसीआईसीआई बैंक के 67 शेयर मिलने है। अदालत ने अल्पांश शेयरधारकों क्वांटम म्यूचुअल फंड और मनु ऋषि गुप्ता की आपत्तियों को खारिज किया। क्वांटम म्यूचुअल फंड के पास 0.08 प्रतिशत शेयर और गुप्ता के पास 0.002 प्रतिशत शेयर है। इन्होंने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की इस योजना का विरोध किया था। योजना को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के 93.8 प्रतिशत शेयरधारकों की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है। शेयर बाजारों से हटने के बाद आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बन जाएगी। यह आईसीआईसीआई बैंक द्वारा प्रवर्तित है। इस बीच, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने बताया कि कंपनी ने 69.82 लाख रुपये का भुगतान कर नियामक मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित मामले को सेबी के साथ सुलझा लिया है।

केंद्र सरकार बासमती चावल से एमईपी घटाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। सरकार बासमती चावल पर लगाए 950 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात शुल्क (एमईपी) को घटाने पर विचार कर रही है। वैश्विक बाजार में कुछ किस्मों के चावल की कीमतें पहले ही नीचे गिर चुकी हैं। यह गिरावट इस खरीफ सीजन में अच्छी फसल और ओवर स्टॉक्स की वजह से आई है। सूत्रों के मुताबिक निर्यातकों के साथ इस मुद्दे पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है और एमईपी को घटाने का फैसला जल्द ही लिया जा सकता है। अर्ली हार्वेस्टेड 1509 बासमती धान की मंडी कीमत 2500 रुपए क्विंटल तक गिर गई है, जो पिछले साल तीन हजार रुपए क्विंटल थी। आने वाले महीने में धान की आवक शुरू होने से पूसा 1121 किस्म की कीमतें भी पिछले साल के चार हजार रुपए प्रति क्विंटल से नीचे जा सकती है। इस साल बासमती चावल का उत्पादन पिछले साल की तुलना में 10फीसदी बढ़ने की उम्मीद है, जो 7 मिलियन टन तक पहुंच सकता है। पंजाब में बासमती की खेती में 12फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है, जो इस साल 0.67 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर पिछले साल 0.59 मिलियन हेक्टेयर थी। निर्यातकों की माने तो अगले सीजन (2024-25) में 0.5 टन का कैरी फारवर्ड स्टॉक रहेगा, जो एक अक्टूबर से शुरू होगा।

दिन भर के उतार चढ़ाव के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार

गिरावट के बाद संभले सेंसेक्स और निफ्टी निवेशकों ने 2.41 लाख करोड़ कमाए

नई दिल्ली। बुधवार को पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार निचले स्तर से रिकवरी करने के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ। बुधवार को कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद खरीदार हावी होते नजर आए, जिसकी वजह से शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.13 प्रतिशत और निफ्टी 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके अलावा हेल्थ केयर, टेलीकॉम और मीडिया इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर पावर, रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बुधवार को गिरावट का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ बुधवार को कारोबार का अंत किया।

बुधवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.27 लाख

करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 456.86 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। बुधवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,038 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,611 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,340 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,388 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,556 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 832 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 135.61 अंक की कमजोरी के साथ 80,667.25 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 176.48 टूट कर 80,626.38 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि दोपहर 1 बजे के बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से ये सूचकांक निचले स्तर से 325 अंक से भी अधिक उछल कर 149.97 अंक की बढ़त के साथ 80,952.83 अंक के स्तर पर पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 102.44 अंक की तेजी के साथ 80,905.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 18.30 अंक की गिरावट के साथ 24,680.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल लगातार ऊपर नीचे होती रही। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 44.35 अंक लुढ़क कर 24,654.50 तक पहुंचा, वहीं लिवाली का जोर बनने पर ये सूचकांक 89.10 अंक उछल कर 24,787.95 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 71.35 अंक की तेजी के साथ 24,770.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार को दिन भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से डिवीज लेबोरेट्रीज 3.76 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 2.46 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.23 प्रतिशत, सिप्ला 2.03 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.96 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा 1.47 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.31 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.31 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.13 प्रतिशत और ओएनजीसी 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

खंडेलवाल ने वाणिज्य मंत्री के अमेजन को लेकर उठाए गए सवाल की तारीफ की

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन पर उठाए गए सवाल की तारीफ की है।

कैट महामंत्री खंडेलवाल ने पीयूष गोयल के द्वारा अमेजन निवेश को घाटे की पूर्ति के लिए धन के रूप में वर्णित किए जाने वाले बयान पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह बयान स्वयं में विदेशी कंपनियों के भारत में कार्य करने के तरीके को दर्शाता है, जो भारत को एक बनाना रिपब्लिक की तरह मानती हैं।

सांसद खंडेलवाल ने पीयूष गोयल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी कंपनियों द्वारा भारतीय बाजार पर कब्जा करने के लिए अस्वस्थ और असमान प्रतिस्पर्धा पैदा करने की विधि को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि भारत में विदेशी निवेश की जांच की जानी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक योगदान दें और केवल उस संचालन को बनाए रखने के लिए सेवा न करें जो अभी तक लाभदायक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं के साथ संतुलित किया जाना चाहिए जो घरेलू बाजार के लिए लाभकारी हों।

कैट महामंत्री खंडेलवाल ने कहा कि वाणिज्य मंत्री का यह बयान ई-कॉमर्स निवेशों की जटिलताओं को सरल कर देता है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि वैश्विक कंपनियों, जैसे कि अमेजन, अक्सर मजबूत बाजार उपस्थिति स्थापित करने के लिए भारी निवेश करती हैं, जो कि अपवित्र मूल्य निर्धारण, घाटे की पूर्ति, और इन्वेंटरी रखने में शामिल हैं, ये सरकार की एफडीआई नीति का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि यह बयान भारत की अर्थव्यवस्था में एफडीआई की भूमिका के बारे में चल रही बहस को उजागर करता है। ऐसे नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है जो वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करें और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करें।

उल्लेखनीय है कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में पहले इंडिया फाउंडेशन की ओर से भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का शुद्ध प्रभाव पर एक रिपोर्ट लॉन्च करने के बाद अमेजन के भारत में 6 हजार करोड़ रुपये के घाटे पर सवाल उठाया। उन्होंने संकेत दिया कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म बाजार बिगाड़ने वाली मूल्य निर्धारण नीतियां अपनाती हैं और इससे छोटे खुदरा विक्रेताओं पर प्रभाव पड़ता है। गोयल ने कहा कि कानूनी रूप से अनुमति नहीं होने के बावजूद अमेजन उपभोक्ता ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में काम रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को निगेटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में मामूली बढ़त नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है।

लगातार आठ दिन तक तेजी दिखाने के बाद अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मुनाफा वसूली का शिकार हो गया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,597.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,816.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,871.74 अंक के स्तर पर कारोबार

करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 1.01 प्रतिशत लुढ़क कर 8,273.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,485.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,357.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं।

सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आया। दूसरी ओर चांदी में तेजी आई है। ये चमकीली धातु 1,200 रुपये की मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। सोने के भाव में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,790 रुपये से लेकर 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,740 रुपये से लेकर 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 87,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना बुधवार को 72,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की

कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह चेन्नई में भी 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 72,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 72,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना बुधवार को भी 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में ई-कॉमर्स के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ई-कॉमर्स का विकास नागरिक केंद्रित हो। उन्होंने कहा कि देश में 100 मिलियन छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए कोई व्यवधान न हो, ये सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने राजधानी नई दिल्ली में पहले इंडिया फाउंडेशन की भारत में रोजगार और उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का शुद्ध प्रभाव पर एक रिपोर्ट को लॉन्च करते हुए यह बात कही। रिपोर्ट विमोचन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स के विकास से समाज के

बड़े वर्ग के बीच लाभों के वितरण का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। उन्होंने व्यापार समुदाय और विशेषज्ञों से आग्रह किया कि वे देश की जरूरतों के संदर्भ में ई-कॉमर्स के प्रभाव का विस्तृत और वैज्ञानिक तरीके से सावधानीपूर्वक अध्ययन और मूल्यांकन करें। गोयल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में ई-कॉमर्स के विकास के लिए संतुलित दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था की रक्षा करने और उन लोगों का समर्थन करने के महत्व को रेखांकित किया, जिन्हें अभी भी सकारात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो छोटे खुदरा विक्रेताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों दोनों के लिए ही निष्पक्ष और न्यायसंगत विकास सुनिश्चित करता है। वाणिज्य मंत्री ने स्थानीय व्यवसायों और रोजगार, विशेष रूप से फार्मेसियों और मोबाइल फोन मरम्मत की दुकानों जैसे क्षेत्रों पर ई-कॉमर्स के प्रभाव के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की।

जीआरएम ओवरसीज ने सलमान खान को बनाया ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। बासमती चावल के प्रमुख निर्यातक जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को बासमती चावल और गेहूं का आटा के लिए अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि इस साझेदारी का उद्देश्य सलमान खान की प्रतिष्ठित स्थिति का लाभ उठाकर जीआरएम की ब्रांड उपस्थिति को मजबूत करना और वैश्विक स्तर पर उपभोक्ताओं से जुड़ना है।

जीआरएम ओवरसीज के प्रबंध निदेशक (एमडी) अतुल गर्ग ने कहा कि सलमान खान की लोकप्रियता और उनका व्यापक प्रशंसक आधार कंपनी के बासमती चावल की 10x ब्रांड रेंज और गेहूं के आटे की 10x शक्ति श्रृंखला से

मेल खाता है। वहीं, सलमान खान ने कहा कि मैं जीआरएम के साथ साझेदारी से खुश हूं। ब्रांड का गुणवत्ता तथा प्रामाणिकता के महत्व पर जोर मेरी सोच के अनुरूप है।

उल्लेखनीय है कि जीआरएम ओवरसीज लिमिटेड की स्थापना 1974 में की गई थी। ये कंपनी 42 से ज्यादा देशों को प्रीमियम बासमती चावल का निर्यात करती है। जीआरएम ओवरसीज शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में सूचीबद्ध है।

पेरिस पैरालिंपिक में खेलों में भारत को इस बार 25 से 30 पदक मिलेंगे : सांगवान

नई दिल्ली।
भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआई) के उपाध्यक्ष और शेफ-डी-मिशन बने सत्य प्रकाश सांगवान को उम्मीद है कि इस बार बार पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारतीय दल 8 से 10 पदक जीत सकता है। सांगवान के अनुसार इस बार उनका लक्ष्य आठ से दस स्वर्ण पदकों के साथ ही कम से कम 25 से 30 पदक जीतना रहेगा। सांगवान इन खेलों में भारतीय पैरालिंपिक टीम के प्रमुख की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। उन्हें पैरालिंपिक में एक दशक से अधिक का अनुभव है।

सत्य प्रकाश ने कहा, यह दिन मेरे लिए ऐतिहासिक है। मुझे पेरिस पैरालिंपिक में भारतीय दल के लिए शेफ-डी-मिशन के रूप में चुना गया है। मैं इस जिम्मेदारी को समर्पित होकर पूरा करूंगा। मुझे इस काम के लिए योग्य मानने के लिए मैं पीसीआई और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। पैरालिंपिक में पिछले कुछ साल में भारत द्वारा की गई प्रगति को देखते हुए सत्य प्रकाश ने कहा, हमें इस बार कम से कम 25-30 पदक की उम्मीद है। हमें कम से कम 8 से 10 स्वर्ण पदक की उम्मीद है। यह हमारे लिए गर्व की बात होगी। एथलीटों ने वास्तव में अच्छी तैयारी की है। उन्हें जो कुछ भी चाहिए था, वह उन्हें प्रदान किया गया। हमें उम्मीद है कि वे विश्व मंच पर हमारे देश को गौरवान्वित करेंगे। हमने अपने एथलीटों को उनके प्रशिक्षण के लिए बाहर भेजा, पूरे देश में शिविर आयोजित किए। तैयारी अच्छी रही।

उन्होंने एथलीटों को बेहतरीन उपकरण, सुविधाएं और तैयारी प्रदान करने के लिए पीसीआई के मुख्य कोच सत्यनारायण को श्रेय दिया। शेफ डी मिशन के रूप में सांगवान 12 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने वाले 84 पैरा-एथलीटों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल का नेतृत्व करेंगे। उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि भारतीय टीम को वैश्विक मंच पर ए आवश्यक समर्थन और मार्गदर्शन मिले।

न्यूज़ ब्रीफ

युगांडा ने 2024 विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैम्पियनशिप के लिए टीम घोषित की

कंपाला। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) ने 2024 विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप के लिए टीम की घोषणा की है, जो 27-31 अगस्त को पेरू के लीमा में आयोजित की जाएगी। चैंपियनशिप में कई ओलंपियन शामिल होंगे जिन्होंने हाल ही में पेरिस 2024 खेलों में भाग लिया था। इनमें ब्रैडली नकोआना और बयांडा वालाज़ा शामिल हैं, जिन्होंने पुरुषों की 4×100 मीटर रिले में दक्षिण अफ्रीका को रजत पदक दिलाने में मदद की, और इथियोपिया की सेम्बो अल्मायेव, जो महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज़ में पाँचवें स्थान पर रहीं। एस्टाडियो एटलेटिको डे ला विडेना में 134 टीमों के 1,700 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे। युगांडा की टीम को हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले एथलीटों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि इथियोपिया की मदीना ईसा (5,000 मीटर) और जमैका की केरिका हिल (100 मीटर बाधा दौड़), दोनों ने 2022 में कैली में विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में स्वर्ण पदक जीता था और वे अपने खिताब का बचाव करने के लिए मैदान में उतरे हैं। युगांडा की टीम में जैकब सैंडे (1,500 मीटर), सैमुअल सिम्बा चेरोप (1,500 मीटर और 5,000 मीटर), टाइटस मुसुआ (3,000 मीटर), हर्बर्ट किबेट (3,000 मीटर), केनेथ किप्रॉप (5,000 मीटर), होसेया चेमुताई, (3,000 स्टीपलचेज़), केज़िया चेबेट (3,000 मीटर), चैरिटी चेरोप (5,000 मीटर), नैन्सी चेपक्कुरुई, लोइस चेकवेमोई (3,000 मीटर स्टीपलचेज़), जोशुआ किबेट (कोच) हैं।

अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप: रौनक दहिया ने ग्रीको-रोमन में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला

नई दिल्ली। रौनक दहिया ने मंगलवार को जॉर्डन के अम्मान में चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती

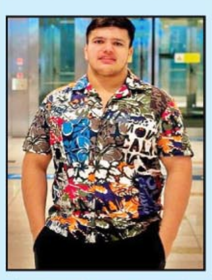

चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन 110 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीतकर पदक तालिका में भारत का खाता खोला। मौजूदा विश्व नंबर दो खिलाड़ी रौनक ने कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में तुर्किये के एमुरूल्लाह कैपकन को 6-1 से हराया। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ी सेमीफाइनल में हंगरी के ज़ोल्टन ज़ाको से 0-2 से हार गए थे। दिल्ली के प्रसिद्ध छत्रसाल स्टेडियम में प्रशिक्षण लेने वाले रौनक ने अपने अंडर-17 विश्व अभियान की शुरुआत आर्टुर मैनवेलियन पर 8-1 की जीत के साथ की और उसके बाद डेनियल मसलाको पर तकनीकी श्रेष्ठता से जीत दर्ज की। कांस्य पदक की दौड़ में शामिल अन्य भारतीय पारधी साईनाथ हैं। पारधी 51 किग्रा में रेपेचेज राउंड के ज़रिए कांस्य पदक की दौड़ में हैं, जहाँ उनका सामना संयुक्त राज्य अमेरिका के मुनारेटो डोमिनिक माइकल से होगा। पारधी पहले राउंड में अज़रबैजान के तुशान दशधिमिरोव से 1-5 से हार गए थे और बाद में वे फ़ाइनल में पहुँच गए, जिससे भारतीय खिलाड़ी को कांस्य पदक जीतने का मौक़ा मिला।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे धनंजय डी सिल्वा

नई दिल्ली। धनंजय डी सिल्वा ने स्वीकार किया है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी में कम

से कम एक और अभ्यास मैच खेलना चाहते थे। यह श्रीलंका का आठ वर्षों में ब्रिटेन का पहला टेस्ट दौरा था। श्रीलंका ने पिछले सप्ताह न्यू रोड पर इंग्लैंड लायंस टीम के खिलाफ चार दिवसीय मैच खेला था और अपनी पहली पारी में केवल 139 रन बनाकर आउट हो गई थी, टीम को मैच में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हालाँकि मेहमान टीम ने खेल में बेहतर प्रदर्शन किया और दूसरे टेस्ट में बेहतर बल्लेबाजी की, लेकिन वे मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट में बिना किसी अतिरिक्त अभ्यास के उतरेंगे। धनंजय ने कहा, एशियाई देशों की तुलना में यहाँ की परिस्थितियाँ काफी अलग हैं। हम कुछ मैच खेलना चाहते थे, लेकिन हमें वही मिला। उन्होंने एक बयान में कहा, हम पूरी ताकत के साथ (वार्म-अप के लिए टीम) नहीं गए। हमने कुछ खिलाड़ियों को आजमाया भी है। नतीजा हमारे पक्ष में नहीं गया, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे पास तैयारी थी। यह इस मैच में काम आएगी। धनंजय, जिन्होंने अब तक अपने नेतृत्व में तीन टेस्ट मैचों में से प्रत्येक में श्रीलंका को जीत दिलाई है, ने माना कि 2018 के बाद से यह श्रीलंका की पहली टेस्ट सीरीज़ है जिसमें दो से अधिक टेस्ट शामिल हैं, जिससे शेड्यूल कड़ा हो सकता है और इसलिए, उनकी टीम संभावित रूप से एक और अभ्यास मैच से वंचित हो सकती है।

टीपीएल-6 की मेजबानी करेगा मुंबई

सुमित नागल, ह्यूगो गैस्टन और मैग्डा लिनेट पर होंगी सबकी निगाहें

मुंबई।
टेनिस प्रीमियर लीग के एक बड़े और बेहतर संस्करण की तैयारियां जोरों पर हैं। लीग ने अपने छठे सीजन के लिए एक नया मेज़बान शहर चुना है। देश की सबसे सफल खेल लीगों में से एक टीपीएल मुंबई में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में वापस आ रही है, और इसका आयोजन 3 से 8 दिसंबर 2024 के बीच होना है। टेनिस प्रीमियर लीग 2024 में टेनिस की दुनिया के कुछ शीर्ष नाम भारत में अपने खेल का जलवा दिखायेंगे।

पुरुषों में, फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन (विश्व नंबर 61) और इन-फॉर्म भारतीय ऐस सुमित नागल (विश्व नंबर 74 और भारत नंबर 1) मुख्य आकर्षण होंगे, जबकि महिलाओं के ड्रॉ में पोलैंड की मैग्डा लिनेट (विश्व नंबर 41) और अर्मेनियाई एलिना अवनेस्यान (विश्व नंबर 52) आकर्षण में से एक हैं।

5 सफल सीज़न के बाद टीपीएल, धूमधाम और उत्सव के मामले में इण्डियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद सबसे आगे है। हर बार की तरह 25 पॉइंट्स के मनोरंजक फॉर्मेट में यह लीग प्रशंसकों के लिए रोमांचक टेनिस लेकर आ रहा है। सभी फ्रेंचाइजी सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कुल 5 मैच खेलेंगी।

लीग का क्रांतिकारी प्रारूप टेनिस प्रशंसकों की कल्पना को समझता है। दो फ्रेंचाइजी के बीच सभी मैचों में पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल शामिल होंगे। प्रत्येक टीम लीग चरण में कुल 500 अंक (100 अंक × 5 मैच) खेलेगी और अंक तालिका में शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल के लिए अर्हता प्राप्त करेंगी।

शानदार खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली फ्रेंचाइजी

पीबीजी पुणे जगुआर, बंगाल विजाड्र्स, पंजाब पैट्रियट्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, गुजरात पैंथर्स, मुंबई लियोन आर्मी और गत विजेता बेंगलुरु एसजी पाइपर्स हैं।

इसके अलावा, टीपीएल की जमीनी स्तर पर भी गहरी नजर है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक है कि भविष्य में टेनिस सितारों का स्वस्थ प्रवाह हो। इसे ध्यान में रखते हुए, टीपीएल ने पिछले साल अपना खुद का मोबाइल ऐप पेश करने के अलावा जिला रैंकिंग टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए गुजरात राज्य टेनिस संघ (जीएसटीए), दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) और महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) के साथ करार किया है।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों से 100 से अधिक अकादमियां टीपीएल ऐप से संबद्ध हैं। टीपीएल ऐप भारत भर के टेनिस समुदाय को जोड़ता है और उन्हें एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देता है, और टेनिस खिलाड़ियों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने में मदद करता है। इस अवसर पर टेनिस प्रीमियर लीग के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, मुंबई सपनों का शहर है और हम टीपीएल के छठे संस्करण के साथ शहर में शीर्ष स्तरीय टेनिस वापस लाने पर प्रसन्न हैं। सीसीआई के टेनिस कोर्ट ने इतिहास के कुछ सबसे जोरदार टेनिस मैच देखे हैं और हमें पूरा विश्वास है कि टीपीएल के खिलाड़ी उन यादों को ताज़ा करेंगे।

टेनिस प्रीमियर लीग की सह-संस्थापक मृणाल जैन ने कहा, टेनिस दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों में से एक है और सीसीआई जैसे प्रतिष्ठित स्थल से जुड़कर हमें बेहद खुशी हो रही है। मुंबई के लोग दुनिया के सबसे अच्छे खेल प्रशंसकों में से हैं और हम एक शानदार सीज़न की उम्मीद कर रहे हैं, जिसमें अच्छी प्रतिस्पर्धा वाले खेल और हाई-ऑक्टेन एक्शन होंगे।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप की पिचों को संतोषजनक बताया

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिका में खेल गये टी20 विश्वकप की पिचों को संतोषजनक करार दिया है। इन पिचों पर सभी टीम के बल्लेबाज विफल रहे थे और बेहद कम स्कोर पर टीमें आउट हो रही थी जिसके बाद से ही पिच पर सवाल उठे पर आईसीसी रैफरी ने उसे जांच के बाद संतोषजनक बताया है हालांकि भारत और आयरलैंड के के बीच नासाउ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम की ड्रॉप इन पिच के अलावा श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच को भी मैच रेफरी ने असंतोषजनक बताया है। ड्रॉप इन ऐसी पिच होती है जिसे कहीं और बनाया जाता है और उसके बाद स्टेडियम में लाकर बिछा दिया जाता है। आईसीसी ने विश्व स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने की अपनी नीति के तहत ही न्यूयॉर्क में मैचों का आयोजन किया था पर खराब पिच और धीमी आउटफील्ड के कारण उसे आलोचना का अधिक सामना करना पड़ा।

मुरलीकांत ने जीता था पैरालंपिक में भारत की ओर से पहला स्वर्ण

मुम्बई।
पेरिस में अब 28 अगस्त से आठ सितंबर तक पैरालंपिक खेलों की धूम रहेगी। इन खेलों में दुनिया भर के पैरा खिलाड़ी भाग लेंगे। पेरालंपिक खेलों में इस बार भारत का सबसे बड़ दल भाग ले रहा है और ऐसे में खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत को इन खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक भारतीय सेना के जवान रहे मुरलीकांत पेटकर ने दिलाया था।

मुरलीकांत ने साल 1972 के हीडलबर्ग पैरालंपिक खेलों में 50 मीटर फ्रीस्टाइल इवेंट में ये स्वर्ण पदक जीता था। तब उन्होंने जीत दर्ज करने के लिए 37.33 सेकेंड का समय निकाला, जो उस समय का विश्व रिकॉर्ड था। इस प्रकार मुरलीकांत भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्हीं खेलों में उन्होंने भाला फेंक, सटीक भाला फेंक और स्लैलम में भाग लिया था। वह तीनों स्पर्धाओं में फाइनल तक पहुंचे थे। मुरली ने एक मुक्केबाज के रूप में सबसे पहले खेलों में भाग लिया था। साल 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के दौरान उन्हें नौ गोलियां लगीं, और वह विकलांग हो गए थे।

मुरलीकांत का कमर से नीचे का हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। वह कुछ समय बाद ठीक तो हो गए, लेकिन उन्हें अपना एक हाथ खोना पड़ा। अब वह मुक्केबाजी नहीं कर सकते थे। इसके बाद भी उन्होंने हार नहीं मानने हुए तैराकी और अन्य खेलों में भाग लेना शुरू कर दिया. उन्होंने 1968 के पैरालंपिक खेलों में टेबल टेनिस में भाग लिया और पहला राउंड क्लीयर किया। उन्होंने तैराकी में कुल चार पदक जीते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे माइक टायसन

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।'

'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया।

देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

दो दिवसीय जनपद स्तरीय बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का दो इंटर कॉलेजों में हुआ शुभारंभ

मुरादाबाद।
माध्यमिक विद्यालयों की दो दिवसीय जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को हुआ, जिसमें बालक वर्ग की प्रतियोगिता अब्बास इंटर कॉलेज तथा बालिका वर्ग की हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज में आयोजित की गई।

प्रतियोगिता का उद्घाटन हैबिट मुस्लिम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य नौमान जलील, अब्बास इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य आफताबुद्दीन तथा मौलाना आजाद मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रहमत बी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

प्रतियोगिता के सफल आयोजन में मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर, पूर्व मंडलीय क्रीडा सचिव जीवन सिंह, शमशाद हुसैन, श्यामवीर सिंह, आफताब आलम, मेहंदी हसन, सचिन चौधरी, सुमित शर्मा, अर्जुन सिंह, विजय सिंह चौहान, राजपाल सिंह, नासिर हुसैन, भास्कर राघव, ज्योति शर्मा, दीपशिखा आदि शिक्षक/ शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। चयनकर्ता का दायित्व कुलदीप कुमार, कुमारी रेखा, गीतांजलि दक्ष तथा स्वाति राठी ने निभाया।

मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर ने प्रतियोगिता का परिणाम बताते हुए बताया कि बालिका वर्ग अंडर 14 वर्ष आर्य कन्या इंटर कालेज ने रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज संकुल को हराकर विजेता बनी बालिका वर्ग अंडर 17 में रामचंद्र शर्मा कन्या इंटर कालेज में आयुष इंटर कालेज दलपतपुर संकुल को हराकर विजई रहा जबकि अंदर-19 बालिका वर्ग में आर्य कन्या इंटर कॉलेज ने विजय हासिल की। वहीं बालक वर्ग में अंडर 17 बालक वर्ग में आदर्श विद्या मंदिर इंटर कॉलेज डिलारी ने मदन स्वरूप इंटर कॉलेज हरियाना को हराकर विजेता बना जबकि अंदर-19 के मुकाबले में आकांक्षा विद्यापीठ इंटर कॉलेज डीएसएम इंटर कॉलेज कांठ को हराकर विजेता बना। प्रतियोगिता का संचालन अब्बास इंटर कॉलेज के खेल प्रभारी शमशाद हुसैन ने किया।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट के दौरान ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देगा इंग्लैंड

लंदन।
इंग्लैंड के खिलाड़ी बुधवार को मैनचेस्टर में श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले दिवंगत ग्राहम थोर्प को श्रद्धांजलि देंगे।

4 अगस्त को 55 साल की उम्र में थोर्प ने आत्महत्या कर ली थी, उनकी पत्नी अमांडा ने बताया कि वे गंभीर अवसाद और चिंता से पीड़ित थे। वे इंग्लैंड के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक थे, जिन्होंने 100 मैचों के टेस्ट करियर में 44.66 का औसत बनाया था, और बाद में 2021-22 एशेज दौरे के बाद उस भूमिका को छोड़ने तक इंग्लिश टीम के बल्लेबाजी और सहायक कोच रहे।

उन्होंने बल्लेबाजी और सहायक कोच की भूमिका में श्रीलंका श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की अधिकांश टीम के साथ काम किया और जो रूट और बेन स्टोक्स के करियर में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे।

इंग्लैंड के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में, स्टोक्स ने टॉस के लिए थोर्प के नाम वाली शर्ट पहनी थी, इससे पहले उन्होंने खुद पर जान लेने की कोशिश की थी, जिसके कारण वे अस्पताल में गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। स्टोक्स की जगह कप्तान के रूप में काम कर रहे ओली पोप ने मंगलवार को कहा, हम पूरे खेल के दौरान अपनी काली बांह की पट्टियाँ बाँधे रहेंगे और उससे पहले उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी। इससे चेंजिंग रूम में बहुत से लोगों को ठेस पहुँची है। वे एक महान व्यक्ति थे। मैंने शायद दो या तीन साल उनके निर्देशन में में खेला था। मैं वास्तव में उनका प्रशंसक हूँ।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे एक बात कही थी: कभी भी अपने द्वारा बनाए जा रहे रनों को अपने व्यक्तित्व से परिभाषित मत होने दो। जब आप युवा होते हैं तो आप थोड़े ऊबाऊ होते हैं, मुझे यही सुनने की ज़रूरत थी। यह दर्शाता है कि वह कितने लोगों के बीच रहने वाले व्यक्ति थे। चेंजिंग रूम में उन्हें प्यार किया जाता था। उनका जाना सभी के लिए बहुत दुखद क्षति है: देश, उनके परिवार और लड़कों के लिए भी, उनकी कमी खल रही है और हम इस सप्ताह उनका सम्मान करेंगे।

बुधवार की सुबह एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में राष्ट्रगान से पहले टीमें तालियों की गड़गड़ाहट के साथ श्रद्धांजलि के लिए कतार में खड़ी होंगी। स्काई स्पोर्ट्स भी अपने कवरेज में थोर्प को श्रद्धांजलि देगा, उनके कई कमेंटेटर उन्हें लंबे समय से टीम के साथी और करीबी दोस्त के रूप में गिनते हैं। पिछले हफ्ते थोर्प की मौत की जांच की शुरुआत में पता चला कि 4 अगस्त की सुबह सरे के एशर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने के बाद उनकी मौत हो गई थी।

विलारियल ने ब्राजील के गोलकीपर लुईज जूनियर पर खर्च किए 12 मिलियन यूरो

मैड्रिड। विलारियल ने पुर्तगाली क्लब फैमालिकाओ से ब्राजील में जन्मे गोलकीपर लुईज जूनियर को 12 मिलियन यूरो (13.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में अनुबंधित किया है। 23 वर्षीय जूनियर के आने से विलारियल को फ़िलिप जोर्गेनसन की जगह लेने का मौका मिलेगा, जिन्हें उन्होंने गर्मियों की शुरुआत में चेल्सी को बेच दिया था। कोच मार्सेलिनो गार्सिया टोरल के लिए पहली पसंद बनने के लिए वह एक और नए आगमन, डिएगो कोंडे के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। जूनियर, जिसके पास पुर्तगाली पासपोर्ट है, ने जून 2030 के अंत तक के अनुबंध पर सहमति व्यक्त की है और अपने पूर्व क्लब में 140 प्रथम-टीम प्रदर्शनों के बाद स्पेन चले गए हैं, जहां वह हाल के वर्षों में सबसे अधिक पेनल्टी बचाने वाले गोलकीपर रहे हैं। सोमवार की रात, जब विलारियल ने एटलेटिको मैड्रिड के साथ घरेलू मैदान पर 2-2 से ड्रा खेलकर नए सत्र की शुरुआत की, तो वह स्टेडियम में मौजूद थे।

पहले हफ्ते में ही स्त्री-2 ने बॉक्स ऑफिस में मचाया बवाल

हॉरर- कॉमेडी फिल्म *स्त्री 2* का बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार सफर जारी है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर इस फिल्म ने आते ही थिएटर्स में धाक जमा ली, जबकि मुकाबले में अक्षय कुमार (खेल खेल में) और जॉन अब्राहम (वेदा) जैसे सुपरस्टार्स की फिल्में थी। अब स्त्री 2 ने रिलीज के सात दिन पूरे कर लिए हैं। इसके साथ ही फिल्म 300 करोड़ क्लब की ओर बढ़ रही है। आइए जानते हैं बुधवार को फिल्म अपनी इस मंजिल के कितने करीब पहुंची...

स्त्री 2 ने पहले दिन से ही बेहतरीन शुरुआत की थी और पहले वीकेंड पर शानदार कलेक्शन किया। वीकडेज में भी फिल्म की बिजनेस की स्पीड बरकरार रही, जिससे ये साफ हो गया कि स्त्री 2 दर्शकों को लगातार सिनेमाघरों की ओर खींचने में कामयाब हो रही है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के मुताबिक, स्त्री 2 ने अब तक कुल मिलाकर 260 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को फिल्म ने लगभग 10.43 करोड़ (जागरण इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता) का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही स्त्री 2 ने डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर सात दिनों में 265.78 करोड़ का नेट बिजनेस कर लिया है। हालांकि, ये अंतिम आंकड़े नहीं हैं, इनमें फेरबदल संभव है। स्त्री 2 की स्पीड देखकर एक बात तो तय है कि आने वाले वीकेंड में ये 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर सकती है। स्त्री 2 के साथ राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी ने फिर साबित कर दिया है कि उनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर लोगों को बांधने में पूरी तरह सक्षम है। वहीं, पंकज त्रिपाठी और अपारशक्ति खुराना जैसे को- स्टार्स ने भी फिल्म में अपने किरदारों से चार चांद लगा दिए हैं। फिल्म की कहानी और अमर कौशिक का निर्देशन भी दर्शकों की कसौटी पर पूरी तरह उतरा है। स्त्री 2 की सफलता ने बॉलीवुड में एक बार फिर से हॉरर-कॉमेडी जॉनर को नई पहचान दिलाई है। फिल्म की सफलता से ये भी साबित होता है कि अच्छी कहानी और दमदार स्क्रिप्ट के साथ बनाई गई फिल्में आज भी बॉक्स ऑफिस पर सफल हो सकती हैं। स्त्री 2 को अगर इसी तरह दर्शकों का प्यार मिलता रहा, तो ये साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बन सकती है।

मधुमेह का शुरुआती संकेत हो सकता है पैरों में कॉर्न

पैरों में कॉर्न जैसी आम समस्याएं, जो ज़्यादातर लोगों की त्वचा पर चुभन के रूप में होती हैं, मधुमेह के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। मधुमेह के मरीज कई कारणों से पैरों की जटिलताओं के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं, जिनमें खराब रक्त संचार और तंत्रिका क्षति शामिल है, जो पैरों में संवेदना को कम करती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि व्यक्ति को पैरों की चोट का एहसास नहीं हो पाता है, जैसे कि कॉर्न, जो दबाव या घर्षण के कारण त्वचा के मोटे हिस्से होते हैं। अगर इन कॉर्न का इलाज न किया जाए, तो ये संक्रमण का कारण बन सकते हैं, फिर अल्सर जैसी जटिलताएं और सबसे खराब मामलों में अंग-विच्छेदन भी हो सकता है। मधुमेह रोगियों को खास तौर पर अपने पैरों पर ध्यान देना चाहिए। यह सलाह दी जाती है कि पैरों की रोजाना जांच की जानी चाहिए, जैसे कि कॉर्न का बनना। तंग जूते पहनने से बचने के अलावा, पैरों के कुछ हिस्सों पर तनाव कम करने और कॉर्न के विकास से बचने के लिए कुशन वाले जूते भी पहनने चाहिए। साथ ही, सामान्य रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखने से तंत्रिका चोट से बचने में मदद मिलती है, और इसलिए, पैर के सामान्य स्वास्थ्य में सुधार होता है। जब हमने मुंबई के डॉ. एलएच हीरानंदानी अस्पताल के एंडोक्राइनोलॉजी और डायबिटीज विभाग के डॉ. अनुराग लीला से बात की, तो उन्होंने कहा कि मधुमेह के रोगियों को पैरों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसमें पैरों को नियमित रूप से धोना, त्वचा को नरम करने के लिए लोशन लगाना, नाखूनों को ठीक से काटना और दुर्घटनाओं से बचने के लिए नंगे पैर चलने से बचना शामिल है। अगर कॉर्न हो जाए, तो कॉर्न को हटाने के लिए शेविंग, कटिंग या कमर्शियल उत्पादों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे स्थिति और खराब हो सकती है। लेकिन सुरक्षित और व्यवहार्य उपचार के लिए अपने डॉक्टर से सलाह लें या आप किसी हर्बलिस्ट से सलाह ले सकते हैं। मधुमेह के रोगियों को हर दिन अपने पैरों की जांच करनी चाहिए, साथ ही, उन्हें नियमित रूप से एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से मिलना चाहिए, ताकि आगे की जटिलताओं से बचा जा सके और मधुमेह के रोगियों के पैर स्वस्थ और दर्द रहित रहें। यहां बस एक बात याद दिलाना है, ऐसी जटिलताओं से निपटने का सबसे अच्छा तरीका मधुमेह के पैर की जटिलताओं का जल्दी पता लगाना और उचित प्रबंधन करना है।

बालों की मजबूती के लिए डाइट में शामिल करें कुछ खास बीज

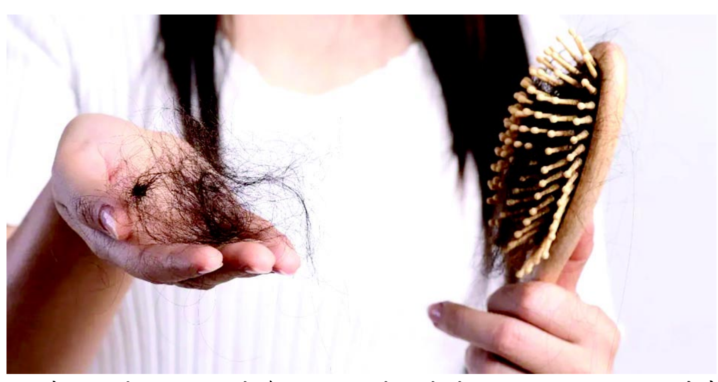

बाल हमारी खूबसूरती को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन आजकल के मौसम और प्रदूषण की वजह से बाल झड़ना एक ऐसी समस्या बन चुका है, जिससे सिर्फ हम ही नहीं, बल्कि हमारे आस-पास रहने वाले दूसरे लोग भी परेशान हैं। इसलिए इस परेशानी से छुटकारा पाने के लिए हम कई चीजें ट्राई करते हैं, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ये असरदार साबित होंगे। इसलिए आपके लिए ये जानना जरूरी है कि बाल झड़ने की समस्या को रोकने के लिए बालों को भीतर से पोषण देना जरूरी है। इस आर्टिकल में हम कुछ ऐसे ही सीड्स के बारे में जानेंगे, जो बालों को मजबूत बनाने और उनके टूटने-झड़ने की समस्या को कम करने में मदद करेंगे।

कलौंजी : कलौंजी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं, जो स्कैल्प इन्फेक्शन से बचाने और बालों को जड़ों से मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इसे खाने से बाल कम झड़ते हैं और नए बाल उगाने में भी मदद मिलती है।

मेथी : मेथी के दानें बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। ये बालों को पोषण देते हैं, जिससे बालों की जड़ें मजबूत बनती हैं। साथ ही, ये डैंड्रफ की समस्या भी कम करते हैं। आपको बता दें कि डैंड्रफ भी बाल झड़ने की एक वजह हो सकता है। इसलिए मेथी बाल झड़ने की समस्या को कम करने में मददगार होता है।

कद्दू के बीज : कद्दू के बीजों में जिंक, विटामिन-ए, कॉपर और सेलेनियम पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को घना और मजबूत बनाने के लिए जरूरी हैं। इसलिए कद्दू के बीजों को डाइट में शामिल करने से बाल झड़ने की समस्या दूर होती है।

अलसी के बीज : अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड और प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत होते हैं। ये दोनों पोषक तत्व बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। प्रोटीन बालों को मजबूत बनाने के साथ-साथ शाइनी बनाने में भी मदद करता है। इसलिए अलसी के बीजों को भी डाइट का हिस्सा बनाना, बालों के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

चिया सीड्स : चिया सीड्स बालों के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इनमें कॉपर, जिंक और प्रोटीन पाए जाते हैं, जो बालों के लिए बेहद जरूरी होते हैं। ये बालों का टूटना-झड़ना कम करने के साथ-साथ नए बाल उगाने में भी मदद करते हैं। इसलिए चिया सीड्स को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

पहली बार लोहे की कड़ाही का कर रही हैं इस्तेमाल तो इन बातों का रखें ध्यान, वरना काला हो जाएगा खाना

पुराने जमाने में मिट्टी या फिर लोहे के बर्तनों में खाना बनाया जाता था। बताया जाता था कि इससे सेहत को फायदा मिलता था। साथ ही शरीर में नॉनस्टिक कुकवेयर का असर भी कम होता था। हालांकि अब तो मार्केट में आपको तरह-तरह के बर्तन मिल जाते हैं। जिनका इस्तेमाल करना स्मार्ट माना जाने लगा है। वहीं कुछ बर्तन ऐसे भी होते हैं, जिनका इस्तेमाल खास डिश बनाने के लिए किया जाता है। वहीं लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल भारतीय किचन में लंबे समय से किया जा रहा है। लोहे की कड़ाही में तरह-तरह के स्वादिष्ट भोजन बनाने के लिए महिलाएं इसका इस्तेमाल करती हैं। लोहे की कड़ाही में बना खाना सेहत के लिए सही होता है और यह महिलाएं के शरीर से आयरन की कमी को भी दूर करता है। लेकिन लोहे के बर्तन का इस्तेमाल ध्यान से करना चाहिए। अगर आप पहली बार लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। हं आपको बताने जा रहे हैं कि लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। बता दें कि आयरन की कमी होने से कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है। ऐसे में लोहे की कड़ाही या बर्तन में बना खाना खाने से शरीर में आयरन की कमी पूरी होती है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक एक वयस्क महिला को रोजाना 18 एमजी आयरन चाहिए होता है। जिसके लिए आप लोहे की कड़ाही में खाना बनाकर खा सकती हैं। हालांकि लोहे की कड़ाही में खाना काफी ध्यान से बनाना होगा। अगर आप नई लोहे की कड़ाही का इस्तेमाल करने जा रहे हैं, तो इसको धोना ही काफी नहीं होगा। क्योंकि जब नई लोहे की कड़ाही में खाना बनाया जाएगा, तो इसका कलर उतरता है। इससे खाना बेकार बनेगा और काला हो जाएगा। इससे बचने के लिए आपको कड़ाही की कोटिंग करनी होगी।

नारनौल की शानदार जगहों पर घूमकर आपका खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा

हरियाणा में स्थित नारनौल के एतिहासिक स्मारक देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। अगर आप दिल्ली एनसीआर में रहते हैं और नजदीक ही घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आप नारनौल घूमने जाए। इस मौसम में घूमने का एक अलग ही मजा है। इस जगह पर आपको काफी कुछ खास देखने को मिलेगा।

जल महल : नारनौल में आप जल महल देखने जा सकते है, जो बेहद खूबसूरत है। इस जल महल को देखने के लिए लोग आते हैं। कई विदेशी पर्यटक भी इसे देखने के लिए आते हैं। इस महल तक पहुंचने के लिए मेहराब दार पुल बना हुआ है। **छतर्दी :** नारनौल मौजूद है छतर्दी एक प्राचीन इमारत है, जो अपने खूबसूरत इमारत के लिए जाना जाता है। बता दें कि यह इमारत मुगलों द्वारा बनवाई गई थी। छतर्दी में शानदार स्तंभ और गुंबद हैं, जो आपको अतीत की समृद्धि की याद दिलाते हैं। इतिहास प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन जगह है।

सत्यमेव जयते
অসম চৰকাৰ
সাংস্কৃতিক পৰিক্ৰমা বিভাগৰ উদ্যোগত

বহু কালজয়ী গীতৰ স্ৰষ্টা নিৰুদ্দিষ্ট শিল্পী শ্ৰদ্ধাৰ শ্ৰীৰমেন বৰুৱাদেৱলৈ তেখেতৰ এমুঠি গীতেৰে উভতি আহিবলৈ আহ্বান

সময় ঃ সন্ধ্যা ৬:৩০ বজা
তাৰিখ ঃ ২২ আগষ্ট ২০২৪
স্থান ঃ শ্ৰীশ্ৰী মাধৱদেৱ আন্তৰ্জাতিক প্ৰেক্ষাগৃহ, পাঞ্জাবাৰী, গুৱাহাটী

অনুষ্ঠানত ৰাইজৰ উপস্থিতি আন্তৰিকতাৰে কামনা কৰা হ'ল।

সঞ্চালক
সাংস্কৃতিক পৰিক্ৰমা বিভাগ, অসম

-- Janasanyog/D/4563/24/22-Aug-24

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত
Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in
অসম বাৰ্তা ছাবস্ক্ৰাইব কৰিবলৈ ৭৬৩৬৮৩৪৯৪৩ ত Assam লিখি ৱাটছএপ কৰক

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**